हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

# मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 217 बेमेतरा, बुधवार 01 अप्रैल 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

# नक्सलमुक्त छत्तीसगढ़ गढ़ेगा विकास का स्वर्णिम भविष्य : मुख्यमंत्री साय

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद की समाप्ति की दिशा में मिली ऐतिहासिक सफलता के बीच मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से उनके नवा रायपुर स्थित निवास कार्यालय में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर शर्मा ने मुख्यमंत्री को नक्सलवाद के खात्मे की दिशा में मिली इस बड़ी उपलब्धि पर बधाई देते हुए पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नक्सलमुक्त छत्तीसगढ़ अब विकास, विश्वास और समृद्धि के नए युग की ओर अग्रसर होगा। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद वर्षों तक प्रदेश की प्रगति में सबसे बड़ी बाधा बना रहा और विशेष रूप से बस्तर अंचल लंबे समय तक लाल आतंक के साये में रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं और नक्सल प्रभावित सभी क्षेत्रों में विकास की मुख्यधारा मजबूत हो रही है। बस्तर सहित पूरे प्रदेश में शांति, सुरक्षा और विकास का नया वातावरण तैयार हो रहा है, जिससे आमजन के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री साय ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प, स्पष्ट नीति और प्रभावी रणनीति को दिया। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में भयमुक्त और सुरक्षित छत्तीसगढ़ का सपना आज साकार हो रहा है। मुख्यमंत्री ने नक्सलवाद के विरुद्ध अभियान में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर जवानों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी शहादत ने इस सफलता की नींव रखी है। उन्होंने सुरक्षाबलों के अदम्य साहस, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनके अथक प्रयासों का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि नक्सलमुक्त वातावरण में अब छत्तीसगढ़ तेज गति से विकास के नए सोपान गढ़ेगा और देश के अग्रणी राज्यों में अपनी सशक्त पहचान स्थापित करेगा।

## छत्तीसगढ़ में सशस्त्र नक्सलवाद लगभग समाप्त : गृहमंत्री विजय शर्मा

राजधानी रायपुर स्थित प्रेस क्लब भवन में आयोजित हमर पहुँना कार्यक्रम में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि 31 मार्च 2026 राज्य के लिए ऐतिहासिक दिन है, क्योंकि सशस्त्र नक्सलवाद का अंत हो चुका है। उन्होंने कहा कि इसी दिन से हमर पहुँना कार्यक्रम की शुरुआत भी हुई है और वे इसके पहले अतिथि हैं, जिससे यह दिन और भी विशेष बन गया है। कार्यक्रम के पूर्व पत्रकारों को बस्तर में नक्सल हिंसा पर आधारित एक मार्मिक शॉर्ट फिल्म दिखाई गई, जिसमें नक्सली आतंक से प्रभावित आदिवासी परिवारों के दर्द और संघर्ष को दर्शाया गया। पत्रकारों से चर्चा में गृहमंत्री ने बताया कि दिसंबर 2023 में राज्य सरकार के गठन के बाद जनवरी 2024 में उच्चस्तरीय बैठक में देशभर में नक्सलवाद की स्थिति का आकलन किया गया, जिसमें सामने आया कि लगभग 75 प्रतिशत नक्सल प्रभाव छत्तीसगढ़ में केंद्रित है और नक्सली कैडर का 90 प्रतिशत हिस्सा भी यहीं सक्रिय है। इसके बाद केंद्रीय बलों–सीआरपीएफ बीएसएफसहित अन्य एजेंसियों–को समन्वित रणनीति के तहत काम करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि 24 अगस्त 2024 को हुई दूसरी बैठक में सभी एजेंसियों की रिपोर्ट के आधार पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद समाप्त करने का लक्ष्य घोषित किया था। प्रारंभ में यह लक्ष्य चुनौतीपूर्ण लगा, लेकिन स्पष्ट रोडमैप और रणनीति से इसे संभव बनाया गया। गृहमंत्री ने बताया कि सरकार ने संवाद और तकनीक दोनों का सहारा लिया। बारकोड आधारित फीडबैक प्रणाली शुरू की गई और वीडियो कॉल के माध्यम से लोगों से सीधे संवाद स्थापित किया गया। इंटेलिजेंस नेटवर्क को अत्याधुनिक बनाया गया, जिससे ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों को न्यूनतम जोखिम रहा और कई अभियानों में जवानों को खरोंच तक नहीं आई। उन्होंने कहा कि इस सफलता का श्रेय बस्तर की जनता, सुरक्षा बलों के जवानों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, पत्रकारों, समाज प्रमुखों और राज्य सरकार की पुनर्वास नीति को जाता है। उन्होंने बताया कि वे स्वयं हर महीने बस्तर के विभिन्न समाजों–दोरला, माडिया, मुड़िया आदि–के साथ बैठकर संवाद करते थे, जिससे विश्वास बहाली हुई। पुनर्वास नीति पर जोर देते हुए शर्मा ने कहा कि जगदलपुर में पहला बड़ा पुनर्वास केंद्र स्थापित किया गया, जहां वोकेशनल ट्रेनिंग की व्यवस्था की गई।

## नक्सलवाद से मुक्त हुआ देश, बस्तर में शुरू हुआ विकास का नया दौर : डॉ. रमन सिंह

**रायपुर।** नक्सलवाद के मुद्दे पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा है कि भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सशक्त मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ समेत पूरा देश नक्सलवाद के अभिशाप से मुक्त हो चुका है।

बस्तर जो वर्षों तक भय और हिंसा के साए में रहा, अब पूरी तरह नक्सल मुक्त होकर शांति, विकास और विश्वास के नए युग में प्रवेश कर रहा है। डॉ. रमन सिंह ने विश्वास जताया कि अब बस्तर की धरती पर फिर से खुशियों की बहार लौटेगी। विकास के नए आयाम स्थापित होंगे और आम जनजीवन समृद्धि की ओर तेजी से बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि अब बस्तर में ढोल-नगाड़ों की गूंज सुनाई देगी, लोक संस्कृति का पुनर्जीवन होगा और गांव-गांव में उत्सव, विश्वास और प्रगति का माहौल बनेगा। इस उपलब्धि को ऐतिहासिक बताते हुए डॉ. रमन सिंह ने सभी सुरक्षा बलों के वीर जवानों को नमन किया और देशवासियों को हार्दिक बधाई दी। डॉ. रमन सिंह ने कहा कि यह परिवर्तन देश के सामूहिक प्रयासों और मजबूत नेतृत्व का परिणाम है, जिससे अब बस्तर सहित पूरा क्षेत्र विकास की नई राह पर आगे बढ़ेगा।

## संक्षिप्त समाचार

### सीएसके छोड़ना इमोशनल था : रवींद्र जडेजा

**नयी दिल्ली।** राजस्थान रॉयल्स ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ टाटा

आईपीएल 2026 के अपने पहले गेम में आठ विकेट से शानदार जीत दर्ज की। जियो हॉटस्टार के 'गूगल सर्च एआई मोड मैच सेंटर लाइव' पर बात करते हुए, आरआर के रवींद्र जडेजा ने जियो स्टार एक्सपर्ट अनिल कुंबले और सुरेश रैना से सीएसके से बाहर होने, आरआर की शुरुआती बॉलिंग और टीम की ऑलराउंड ताकत पर अपने विचार साझा किए।

### कर्नाटक में रसोई गैस की कोई कमी नहीं : मुनियप्पा

**बेंगलुरु।** कर्नाटक के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री के.एच. मुनियप्पा ने रसोई गैस की उपलब्धता और कीमतों को लेकर चिंताओं के बीच स्पष्ट किया है कि राज्य में घरेलू या ऑटो गैस का पूरा भंडार है और इसमें कोई कमी नहीं है। इसके बीच उन्होंने निजी वितरकों को उपभोक्ताओं से अधिक शुल्क लेने पर सख्त चेतावनी दी है। मुनियप्पा ने राज्य की आपूर्ति श्रृंखला को स्थिर और सक्रिय रूप से प्रबंधित बताते हुए कहा कि सरकार ने वाणिज्यिक गैस वितरण में उल्लेखनीय वृद्धि की है।

# शीतलाष्टमी मंदिर में भगदड़ से 8 की मौत

**राजगीर।** बिहार में नालंदा जिले के दीपनगर थाना क्षेत्र में मंगलवार को शीतलाष्टमी मंदिर में भगदड़ से आठ लोगों की मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मधडा गांव स्थित शीतलाष्टमी मंदिर में आज सुबह श्रद्धालु पूजा अर्चना के लिए गये थे।

अत्यधिक भीड़ से लोगों में भगदड़ मच गयी। भगदड़ से आठ लोगों की मौत हो गयी है। मृतकों में सभी महिलाये हैं। सूत्रों ने बताया कि मृतकों में से पांच की पहचान देवंती देवी,रेखा देवी,मालो देवी,चिंता देवी और कांति देवी के रूप में की गयी है। अन्य मृतकों की पहचान नहीं की जा सकी है। इस घटना में कुछ लोग घायल हो गये हैं। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचकर कैंप कर रहे हैं।

## नीतीश ने शोक एवं संवेदना व्यक्त की, मृतकों के आश्रितों के लिए अनुग्रह अनुदान के दिए निर्देश

**पटना।** मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नालंदा जिले के बिहार शरीफ स्थित शीतला देवी मंदिर में हुई भगदड़ में श्रद्धालुओं की मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री कुमार ने कहा कि यह घटना काफी दुखद है और वह इससे मर्माहत हैं। मुख्यमंत्री ने मृतकों के आश्रितों को आपदा प्रबंधन विभाग से 04-04 लाख रूपये एवं मुख्यमंत्री राहत कोष से 02-02 लाख रूपये (कुल 06 लाख रूपये) अनुग्रह अनुदान देने के निर्देश दिए हैं। इस घटना के बाद श्री कुमार के निर्देश पर वरीय अधिकारी घटनास्थल पर पहुँच गये है तथा राहत एंव बचाव कार्य में जुटे हुये है। मुख्यमंत्री ने हादसे में घायल हुये लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है और उनकी समुचित इलाज की व्यवस्था के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि आज नालंदा जिले के बिहारशरीफ में शीतला माता मदिर के पास हुई भगदड़ में 8 लोगों की मौत हो गयी थी और बड़ी संख्या में लोग घायल हो गए हैं।

# दंतेवाड़ा में 5 नक्सलियों ने किया सरेंडर

**दंतेवाड़ा।** केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित नक्सली खात्मे की समय सीमा के अंतिम दिन दंतेवाड़ा में पांच नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। बस्तर आईजी सुंदरराज पी., डीआईजी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल राकेश और कलेक्टर, दंतेवाड़ा, देवेश कुमार ध्रुव के समक्ष लाखों के इनामी 5 नक्सलियों ने आत्म समर्पण किया। आत्मसमर्पित नक्सलियों में भैरमगढ़ एरिया कमेटी सदस्य सोमें कड़ती प्रमुख रूप से शामिल है। उक्त नक्सली लीडर बीजापुर जिला अंतर्गत मिरतुर थाना के चेरली की निवासी है। उक्त लीडर पर राज्य शासन द्वारा 5 लाख रुपए का पुरस्कार घोषित किया गया था। इसी कड़ी में भैरमगढ़ एरिया कमेटी पार्टी सदस्य लखमा पोयाम शामिल है। उक्त नक्सली बीजापुर जिला अंतर्गत मिरतुर थाना के बेचापाल का निवासी है। राज्य शासन द्वारा उक्त लीडर पर 1 लाख रुपए का पुरस्कार घोषित किया गया था। भैरमगढ़ एरिया कमेटी पार्टी सदस्य सरिता पोडियाम ने भी आत्म समर्पण कर मुख्य धारा का चयन किया। उक्त लीडर बीजापुर जिला अंतर्गत जांगला थाना के हिंगुम का निवासी है। जोगी कलमू द्वारा भी घर वापसी की गई। उक्त लीडर बीजापुर जिला अंतर्गत बासागुडा थाना के नेंड्रा की निवासी है। वहीं गंगालूर एरिया कमेटी पार्टी सदस्य मोटी ओयाम ने भी आत्मसमर्पण किया। उक्त नक्सली लीडर बीजापुर जिला अंतर्गत गंगालूर थाना के पीडिया की निवासी है। राज्य शासन द्वारा पार्टी सदस्यों पर एक - एक लाख रुपए का पुरस्कार घोषित किया गया था।

## यूरोपीय संघ परिषद ने कथित मानवाधिकार उल्लंघनों को लेकर ईरान पर लगे प्रतिबंधों को बढ़ाया

**ब्रसेल्स।** यूरोपीय संघ (ईयू) ने कथित मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघनों को लेकर ईरान पर लगे प्रतिबंधों को 13 अप्रैल, 2027 तक बढ़ा दिया है। यूरोपीय संघ परिषद ने यह जानकारी दी। परिषद ने सोमवार को एक बयान में कहा, परिषद ने आज ईरान में मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन के जवाब में यूरोपीय संघ के प्रतिबंधात्मक उपायों को 13 अप्रैल 2027 तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। बयान के अनुसार, इन उपायों में ईयू में प्रवेश पर प्रतिबंध और संपत्ति को फ्रीज करना, साथ ही ईरान को दूरसंचार निगरानी उपकरणों के निर्यात पर प्रतिबंध शामिल है। इसमें ईयू के नागरिकों और कंपनियों को प्रतिबंध सूची में शामिल व्यक्तियों और संस्थाओं को धन उपलब्ध कराने से भी प्रतिबंधित किया गया है।ईयू ने 2011 में ईरान के खिलाफ प्रतिबंध लगाना शुरू किया था और तब से हर साल प्रतिबंधों को बढाया जाता है।

## एक महीने में 11 फीसदी लुढ़का सेंसेक्स छह साल में पहली बार सालाना गिरावट

**मुंबई।** पश्चिम एशिया संकट के कारण मार्च में प्रमुख सूचकांकों में 11 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गयी है और कोरोना काल के बाद छह साल में पहली बार वित्त वर्ष के दौरान इसने नकारात्मक रिटर्न दिया है। वित्त वर्ष 2025-26 के आखिरी कारोबारी दिवस पर सोमवार को बीएसई का सेंसेक्स 71,947.55 अंक पर बंद हुआ। पूरे वित्त वर्ष के दौरान इसमें 5,467.37 अंक यानी 7.06 प्रतिशत की गिरावट देखी गयी। वित्त

वर्ष 2019-20 के बाद यह पहला मौका है जब सेंसेक्स ने नकारात्मक रिटर्न दिया है। कोरोना के कारण लॉकडाउन लगने से मार्च 2020 में शेयर बाजारों में भारी गिरावट रही थी और 2019-20 में सेंसेक्स 23.80 प्रतिशत टूटा था। खास बात यह रही कि पहले 11 महीने में फरवरी 2026 तक सेंसेक्स 3,872.27 अंक ऊपर था, लेकिन मार्च में यह 9,339.64 अंक यानी 11.49 प्रतिशत का गोता लगा गया।

पश्चिम एशिया संकट के कारण एक तरफ निवेशक बाजार में जोखिम लेने से कतरा रहे हैं तो दूसरी तरफ रुपया कमजोर होता जा रहा है। रुपये के लगातार गिरने से विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय पूंजी बाजार से पैसा निकाल रहे हैं।

## मोदी सरकार की स्मार्ट सिटी योजना धोखा साबित हुयी : राहुल गांधी

**नयी दिल्ली।** कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने स्मार्ट सिटी परियोजना को लेकर मोदी सरकार पर हमला करते हुए मंगलवार को इसे 'धोखा' करार दिया और कहा कि यह योजना अपने उद्देश्य से भटक गई और आम नागरिकों को इससे कोई फायदा नहीं पहुंचा। गांधी ने एक बयान में आरोप लगाया कि परियोजना के तहत शहरों के समग्र विकास के बजाय सीमित क्षेत्रों में काम कर उसे बड़ी उपलब्धि के रूप में पेश किया गया, जबकि ज़मीनी स्तर पर बुनियादी सुविधाओं में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। उन्होंने कहा कोई भी शहर तब तक 'स्मार्ट' नहीं हो सकता, जब तक वह अपने नागरिकों को साफ पानी, स्वच्छ हवा और सुरक्षा जैसी बुनियादी गरिमा उपलब्ध नहीं कराता।

### शहर में 15 और गांव में 30 मिनट में पहुंचेगी 108 सेवा: स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल

# प्रदेश की लाइफलाइन हुई सशक्त: मुख्यमंत्री ने 370 नई एम्बुलेंस को दिखाई हरी झंडी

**रायपुर।** प्रदेश में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ और प्रभावी बनाने की दिशा में आज एक ऐतिहासिक पहल की गई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 300 बेसिक लाइफ सपोर्ट एवं 70 एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंसों को हरी झंडी दिखाकर प्रदेश के सभी जिलों के लिए रवाना किया। इसके साथ ही 108 एम्बुलेंस की समस्त सेवाएं प्रदेशभर में तत्काल प्रभाव से प्रारंभ हो गई हैं, जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिकों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सहायता सुनिश्चित होगी।

इस पहल के अंतर्गत पहली बार प्रदेश में 5 नियोनेटल ALS एम्बुलेंसों की शुरुआत की गई है, जो नवजात शिशुओं की आपातकालीन देखभाल के क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित होगी। यह सेवा राज्य की नवजात सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है तथा गंभीर स्थिति में नवजात शिशुओं को सुरक्षित रूप से उच्च स्तरीय उपचार केंद्रों

तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं निरंतर सुदृढ़ हो रही हैं और पिछले दो वर्षों में इस क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता का भरोसा सरकारी अस्पतालों में लगातार बढ़ा है, जहां उन्हें समय पर उपचार मिल रहा है। उप-स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण एवं उन्नयन के कारण अब लोगों को छोटे-छोटे इलाज के लिए दूर शहरों की ओर नहीं जाना पड़ रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारी सरकार का लक्ष्य है कि शहरी क्षेत्रों में 15 मिनट और ग्रामीण क्षेत्रों में 30 मिनट के भीतर एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध कराई जाए, ताकि हर जरूरतमंद मरीज तक समय पर स्वास्थ्य सहायता पहुंच सके। उन्होंने कहा कि 108 एम्बुलेंस सेवा का यह विस्तार आम जनता के विश्वास को और सशक्त करेगा कि संकट की घड़ी में सरकार पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ उनके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से पहली बार शुरू की गई 5 नियोनेटल ALS एम्बुलेंस सेवा का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नवजात शिशुओं के जीवन की सुरक्षा के प्रति सरकार की गंभीरता और प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अपने संबोधन में कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं के लिहाज से आज का दिन राज्य के लिए ऐतिहासिक है और इससे लाखों लोगों को त्वरित चिकित्सा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ देश का दूसरा राज्य बन गया है, जहां नियोनेटल एम्बुलेंस सेवा शुरू की गई है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार प्रकट करते हुए ने कहा कि छत्तीसगढ़ अब स्वास्थ्य के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो रहा है और आने वाले समय में इसमें और तेजी देखने को मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि एम्बुलेंस सेवा में किसी भी प्रकार की देरी या कमी की शिकायत मिलने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, जिसके लिए विशेष मॉनिटरिंग सिस्टम तैयार किया गया है। प्रदेश में एम्बुलेंस सेवा की समयबद्ध उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु यह लक्ष्य निर्धारित किया गया है कि शहरी क्षेत्रों में 15 मिनट एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 30 मिनट के भीतर एम्बुलेंस सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि प्रत्येक जरूरतमंद तक समय पर सहायता पहुंच सके। नियोनेटल एम्बुलेंस सेवा को अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। इनमें प्रशिक्षित नवजात इमरजेंसी तकनीशियन, 24म7 ईएमटी एवं पायलट की उपलब्धता के साथ विशेषज्ञ चिकित्सक का ऑनलाइन मार्गदर्शन सुनिश्चित किया गया है।

## होर्मुज जलडमरूमध्य अगले एक महीने तक बंद रहने पर बढ़ सकती हैं तेल की कीमतें 150 डॉलर प्रति बैरल : जेपी मॉर्गन

**वाशिंगटन।** अमेरिकी बैंक जेपी मॉर्गन के मुख्य अर्थशास्त्री ब्रूस कासमैन का मानना है कि यदि होर्मुज जलडमरूमध्य एक और महीने के लिए बंद रहता है, तो तेल की कीमतें आसमान छूने के साथ 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं।

'ब्रिटिश समाचार पत्र द टाइम्स' ने अर्थशास्त्री कासमैन के बयान के हवाले से कहा, ऐसी स्थिति में, यदि होर्मुज जलडमरूमध्य एक और महीने तक बंद रहता है, तो तेल की कीमतें लगभग 150 डॉलर प्रति बैरल तक बढ़ सकती हैं और ऊर्जा आपूर्ति पर निर्भर औद्योगिक उपभोक्ताओं को कमी का सामना करना पड़ सकता है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका-इजरायल ने 28 फरवरी को ईरान की राजधानी तेहरान सहित देश के विभिन्न ठिकानों पर हमले शुरू किए थे, जिससे भारी क्षति हुई और नागरिक हताहत हुए थे। ईरान पे इजरायली क्षेत्र के साथ-साथ पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी हमले कर रहा है। इस बीच, फारस की खाड़ी के देशों से वैश्विक बाजारों में तेल और तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति के लिए एक प्रमुख मार्ग - होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से होने वाला नौपरिवहन प्रभावी रूप से ठप हो गया है। इसके परिणामस्वरूप, दुनिया के अधिकांश देशों में ईंधन की कीमतें बढ़ रही हैं।

# समाज में नई पहल: गुरु बालकदास स्मृति स्थल सतनाम धाम में शादी समारोह संपन्न

**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व स्थल बहु नवागांव रोड स्थित गुरु बालकदास स्मृति स्थल सतनाम धाम में बीते सोमवार को एक गरिमामय शादी आशीर्वाद समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सतनामी समाज के प्रबुद्धजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और नवविवाहित जोड़े को अपना आशीर्वाद प्रदान किया। आयोजित समारोह में समाज के प्रबुद्ध यशवंत बंजारे की बहन एवं स्वर्गीय भुवनदास बंजारे (मानपुर वाले) की सुपुत्री सारिका के विवाह समारोह में शामिल होने का सौभाग्य समाज के अनेक लोगों को प्राप्त हुआ।इस अवसर पर प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज बेमेतरा जिला अध्यक्ष राजालाल बंजारे जी अपनी पूरी टीम के साथ उपस्थित रहे। उन्होंने नवदम्पत्ति को सुखमय दांपत्य जीवन, उज्ज्वल भविष्य और खुशहाल जीवन के लिए शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान किया।कार्यक्रम के दौरान नवविवाहित जोड़े को डॉ. भीमराव अंबेडकर जी एवं गुरु घासीदास जी के छायाचित्र भेंट कर उनके आदर्शों पर चलने की प्रेरणा दी गई। समारोह में उपस्थित समाजजनों ने नवदम्पत्ति के सुख-समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की। समाज के बुद्धजीवी अपने वक्तव्य में बताते है कि उक्त स्थल सतनामी समाज के लिए अत्यंत गौरवशाली और ऐतिहासिक महत्व रखता है। मान्यता है कि संत शिरोमणि गुरु घासीदास जी के द्वितीय पुत्र बलिदानी राजा गुरु बालकदास जी का विवाह नवलपुर निवासी भुजबल महंत की बहन नीरा माता से हुआ था। उस समय उनकी बारात बहु नवागांव रोड स्थित इसी पावन स्थल पर कुछ समय के लिए ठहरी थी तथा अखाड़ा प्रदर्शन के पश्चात यहां से नवलपुर ढारा के लिए प्रस्थान किया गया था। ऐसे गौरवशाली स्थल पर सामाजिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन समाज के लिए गर्व और सम्मान का विषय माना जा रहा है।

# बेमेतरा पुलिस विभाग के दो अधिकारियों को भावपूर्ण विदाई, 35 वर्षों की सेवा के बाद सेवानिवृत्त

**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

जिले के पुलिस विभाग में कार्यरत उप निरीक्षक यशवंत जंघेल एवं सहायक उप निरीक्षक दिनेशचंद शर्मा के सेवानिवृत्त होने पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय बेमेतरा में भावपूर्ण विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर दोनों अधिकारियों को श्रीफल, शाल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू ने दोनों अधिकारियों के स्वस्थ, दीर्घायु एवं सुखमय जीवन की कामना करते हुए कहा कि पुलिस सेवा के दौरान अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, लेकिन दोनों अधिकारियों ने लगभग 35 वर्ष 6 माह से अधिक समय तक मुस्तैदी, शालीनता और कार्यकुशलता के साथ अपनी सेवाएं दीं। उन्होंने बताया कि उप निरीक्षक यशवंत जंघेल एवं सहायक उप निरीक्षक दिनेशचंद शर्मा ने अपने सेवाकाल में राजनांदगांव, दुर्ग और बेमेतरा जिले के विभिन्न थाना एवं चौकियों में उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान कीं। दोनों अधिकारी वर्ष 1990 में आरक्षक पद पर जिला राजनांदगांव में भर्ती हुए थे, जिसके बाद उन्होंने निरंतर विभाग की जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। समारोह में डीएसपी (मुख्यालय) राजेश कुमार झा, एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का, एसडीओपी बेरला विनय कुमार एवं डीएसपी श्रीमती शशीकला उईके ने भी दोनों अधिकारियों की सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि गृह विभाग में संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करना पड़ता है, जिसे उन्होंने बखूबी निभाया। अपने संबोधन में सेवानिवृत्त अधिकारियों ने सेवाकाल के दौरान मिले अनुभव साझा करते हुए वरिष्ठ अधिकारियों एवं स्टाफके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विभाग और सहकर्मियों के सहयोग से ही वे अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी तत्परता से कर सके।

इस अवसर पर पुलिस विभाग के अनेक अधिकारी, कर्मचारी एवं परिजन उपस्थित रहे और दोनों अधिकारियों के उज्ज्वल एवं सुखद भविष्य की कामना की।

# भाजपा नेता की शादी में उमड़ा जनसैलाब, वरिष्ठ नेताओं ने दिया आशीर्वाद

**बकावंड /मूक पत्रिका**

ब्लॉक के अंतर्गत राजनगर में भाजपा नेता जनपद सदस्य सुनील बिसाई के विवाह समारोह में भारी भीड़ देखने को मिली। इस अवसर पर क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने वर-वधू को शुभ आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीणों एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

दूर-दराज के क्षेत्रों से भी लोग इस शुभ अवसर पर शामिल होने पहुंचे। पूरे आयोजन में उत्साह और खुशी का माहौल बना रहा।ग्रामीणों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने नवदंपति को बधाई देते हुए उनके सुखद एवं समृद्ध वैवाहिक जीवन की कामना की। विवाह समारोह सामाजिक

एकता और आपसी सौहार्द का भी प्रतीक बनकर सामने आया।

# ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में 11 मई को देशभर की दवा दुकानें रहेंगी बंद: उमेश सिरोठिया

**कोरबा/मूक पत्रिका**

छत्तीसगढ़ केमिस्ट एंड डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएशन (सीसीडीए) ने ऑनलाइन दवा बिक्री (ई-फार्मेसी) के खिलाफ कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। एसोसिएशन ने घोषणा की है कि ऑल इंडिया केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के आह्वान पर आगामी 11 मई को पूरे भारतवर्ष सहित छत्तीसगढ़ की सभी दवा दुकानें बंद रहेंगी। प्रेसवार्ता के दौरान ने कहा कि सीसीडीए के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिरोठिया ने बताया कि ऑनलाइन माध्यम से दवाओं की बिक्री न केवल स्थानीय दवा व्यवसायियों के लिए हानिकारक है, बल्कि यह जन स्वास्थ्य के लिए भी एक गंभीर चुनौती है। एसोसिएशन के अनुसार, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर दवाओं की गुणवत्ता, सुरक्षित भंडारण और सप्लाई चेन की पारदर्शिता सुनिश्चित करना बेहद कठिन होता है। संस्था ने चिंता जताई है कि ऑनलाइन माध्यम में मेडिकल पर्चे के सत्यापन की कोई ठोस व्यवस्था नहीं है। इससे प्रतिबंधित श्रेणी की दवाओं के दुरुपयोग की संभावना बढ़ जाती है।

इसके विपरीत, स्थानीय दवा विक्रेता सरकारी औषधि नियंत्रण विभाग की निगरानी में काम करते हैं, जिससे दवाओं की प्रमाणिकता बनी रहती है। उन्होंने विशेष रूप से बालको प्रबंधन द्वारा संचालित चिकित्सालय की आलोचना की गई है। आरोप है कि प्रबंधन द्वारा दवाओं की आपूर्ति के लिए 'टाटा 1एमजी' जैसी ऑनलाइन संस्था के साथ गोपनीय अनुबंध किया गया है। स्थानीय विक्रेताओं की तुलना में अधिक कीमतों पर दवाएं बेची जा रही हैं, जिसका सीधा आर्थिक भार उपभोक्ताओं और श्रमिकों पर पड़ रहा है। एसोसिएशन ने स्पष्ट किया है कि ऑनलाइन दवा बिक्री की इस 'मनमानी' को रोकने के लिए देशभर के लगभग 12.50 लाख केमिस्ट एकजुट हैं। छत्तीसगढ़ के लगभग 18,000 दवा विक्रेता इस बंद का समर्थन करेंगे। संगठन ने सरकार और प्रशासन से मांग की है कि ऑनलाइन दवाओं के प्रसार पर तत्काल रोक लगाई जाए ताकि मरीजों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण दवाएं मिल सकें।

# भाजपा युवा मोर्चा सारागांव मंडल के उपाध्यक्ष बने गौरव राठौर

**झरना बाराद्वार /मूक पत्रिका**

भारतीय जनता पार्टी प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंहदेव, युवा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष राहुल टीकरिहा, जिलाध्यक्ष सक्ति टिकेश्वर गबेल और जिला उपाध्यक्ष भुवन भास्कर यादव के मार्गदर्शन में भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष आलोक पटेल के निर्देशानुसार एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष पुरूषोतम सूर्यवंशी, सरगांव मंडल महामंत्री जोहान यादव और छेदीदास मानिकपुरी, सरगांव मंडल कोषाध्यक्ष रामानुज राठौर के सहमति से युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष संजय कुमार साहू द्वारा युवा मोर्चा की मंडल कार्यकारिणी में शामिल कर गौरव राठौर जी (निवासी ग्राम पंचायत झरना ) को युवा मोर्चा उपाध्यक्ष बनाया गया है। उन्होंने कहा कि उन्हें जो दायित्व सौंपा गया है, वह उनके सम्मान के साथ-साथ सेवा और समर्पण का अवसर है। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति को राष्ट्रनिर्माण की धाराओं से जोड़ते हुए संगठन की नीतियों और विचारधारा को अंतिम छोर तक पहुंचाने के लिए निष्ठा और ऊर्जा के साथ कार्य करेंगे। जिससे ग्राम पंचायत झरना बाराद्वार के सभी कार्यकर्ताओं में हर्ष और उल्लास के साथ गौरव राठौर उपाध्यक्ष को बधाई और शुभकामनाएं दी है।

# महिला थाना का शुभारंभ, आईजी रामगोपाल गर्ग ने किया उद्घाटन

**जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका**

जिले में महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण को मजबूती देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 31 मार्च 2026 को महिला थाना जांजगीर का विधिवत शुभारंभ किया गया। बिलासपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक रामगोपाल गर्ग द्वारा फीता काटकर महिला थाने का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर आईजी बिलासपुर रेंज ने परिवार परामर्श केंद्र से जुड़े काउंसलरों को उनके उत्कृष्ट कार्य, समर्पण और पारिवारिक विवादों के समाधान में निभाई जा रही अहम भूमिका के लिए पहचान पत्र (ढ्ढ कार्ड) प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि काउंसलर समाज में पारिवारिक समरसता बनाए रखने की मजबूत कड़ी हैं और उनका योगदान अत्यंत सराहनीय है। कार्यक्रम के दौरान जिले की गठित महिला कमांडो टीम की भी आईजी द्वारा विशेष प्रशंसा की गई। उन्होंने महिला कमांडो टीम के अनुशासन, साहस और सहयोगात्मक कार्यशैली की सराहना करते हुए इसे महिला सुरक्षा के लिए एक सशक्त कदम बताया। आईजी रामगोपाल गर्ग ने जिले के प्रेस प्रतिनिधियों से भी सौहार्दपूर्ण भेंट कर पुलिस की प्राथमिकताओं, महिला थाना की भूमिका और महिला सुरक्षा के प्रति पुलिस की प्रतिबद्धता पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि महिला थाना महिलाओं को एक सुरक्षित, संवेदनशील और विश्वासपूर्ण वातावरण प्रदान करेगा। इस दौरान सायबर थाना जांजगीर का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आईजी ने दर्ज प्रकरणों की समीक्षा करते हुए साइबर अपराधों के त्वरित एवं पारदर्शी निराकरण पर जोर दिया। उन्होंने डिजिटल साक्ष्यों के सुरक्षित संकलन, विश्लेषण एवं संरक्षण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आईजी ने साइबर जन-जागरूकता कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाने पर विशेष बल देते हुए कहा कि आम नागरिकों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, सोशल मीडिया अपराधों से बचाव के लिए निरंतर जागरूक करना समय की आवश्यकता है।

इसी क्रम में उन्होंने भारत सरकार के दूरसंचार विभाग द्वारा संचालित ÷संचार साथी÷ मोबाइल एप एवं पोर्टल की उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान जिले के गणमान्य नागरिकों को उनके सामाजिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया। आईजी ने कहा कि समाज के हर वर्ग की सहभागिता से ही पुलिस और प्रशासन अधिक प्रभावी ढंग से कार्य कर सकता है। सम्मानित नागरिकों को प्रतीक चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त आईजी बिलासपुर ने जिले के आदिवासी गोड़ समाज के लोगों से भी भेंट कर शराब निर्माण छोड़ स्वरोजगार की राह अपनाने की उनकी पहल की सराहना की। साथ ही पुलिस ड्रोन कैमरे का निरीक्षण कर उसके रख-रखाव एवं सुरक्षित संचालन को लेकर आवश्यक जानकारी भी दी। इस गरिमामय अवसर पर कलेक्टर जन्मेजय महोबे, एसपी विजय कुमार पाण्डेय, एसपी प्रफुल्ल कुमार ठाकुर सहित जिले के पुलिस अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

# 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर की जैन समाज ने मनाई जयंती

**कोरबा/मूक पत्रिका**

कोरबा जिले ने जैन समाज के द्वारा भगवान महावीर के जन्म कल्याणक महोत्सव के अवसर पर भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। यह शोभायात्रा पुराने बस स्टैंड से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए जैन मंदिर परिसर तक पहुंची। शोभायात्रा के दौरान विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों द्वारा जगह-जगह पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। यात्रा में जियो और जीने दो, सत्य और अहिंसा जैसे प्रेरणादायक संदेशों पर आधारित आकर्षक झांकियां शामिल की गई, जिन्होंने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। आमजन ने इन झांकियों का अवलोकन कर जैन समाज की इस सराहनीय पहल की प्रशंसा की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में मातृशक्ति की भी सहभागिता देखने को मिली, जिन्होंने पारंपरिक वेशभूषा में शोभायात्रा की गरिमा को और बढ़ाया।

शहर का माहौल पूरी तरह धर्ममय और उत्साहपूर्ण बना रहा। शोभायात्रा के सफल संचालन में यातायात पुलिस, कोतवाली थाना एवं सीएसईबी चौकी के पुलिस स्टाफ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे।

मंदिर पहुंचने के बाद श्रद्धालुओं द्वारा विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं अन्य धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए गए। कोरबा जिले के विभिन्न क्षेत्रों से जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में इस कार्यक्रम में शामिल हुए, जिससे आयोजन की भव्यता और अधिक बढ़ गई।

**जिला स्तरीय जागरूकता प्रशिक्षण आयोजित**

# बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ के संकल्प को लेकर अधिकारियों को दी गई विस्तृत जानकारी

**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशन में तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी चन्द्रबेश सिंह सिसोदिया एवं जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी सी.पी. शर्मा के मार्गदर्शन में जिले के समस्त बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारियों तथा अंतर्विभागीय जिला एवं विकासखंड स्तर के अधिकारियों के लिए जिला स्तरीय जागरूकता प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य 'बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़' के संकल्प को प्रभावी रूप से लागू करना रहा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को बाल विवाह की रोकथाम से संबंधित विभिन्न कानूनी, सामाजिक एवं प्रशासनिक पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों को बताया गया कि बाल विवाह की रोकथाम के लिए विभागों के बीच समन्वय अत्यंत आवश्यक है तथा ग्राम स्तर तक निगरानी तंत्र को मजबूत करना होगा।

## कानूनी प्रावधानों की दी गई जानकारी

प्रशिक्षण में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 (क्क्रू 2006) के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी दी गई। बताया गया कि लड़कियों के लिए 18 वर्ष तथा लड़कों के लिए 21 वर्ष से कम आयु में विवाह करना पूर्णतः अवैध है। यदि दोनों में से किसी एक की आयु निर्धारित सीमा से कम है तो वह बाल विवाह की श्रेणी में आता है और यह कानूनन दंडनीय अपराध है।

## अपराध की गंभीरता पर विशेष जोर

अधिकारियों को बताया गया कि बाल विवाह करना, करवाना या उसमें किसी भी प्रकार से सहयोग करना अपराध की श्रेणी में आता है। विवाह का कार्ड छापना, टेंट लगाना, भोजन बनाना या किसी भी प्रकार की सेवा देना भी कानूनी कार्रवाई के दायरे में आता है। प्रशिक्षण में सभी अधिकारियों को इस विषय में सतर्कता बरतने और समय रहते कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

## बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारियों की भूमिका

प्रशिक्षण में ग्राम पंचायत, सेक्टर और ब्लॉक स्तर पर नियुक्त बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारियों (ष्टस्क्क) के कार्य, अधिकार तथा उनकी जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही बाल विवाह की सूचना मिलने पर त्वरित कार्रवाई की प्रक्रिया भी समझाई गई।

## रोकथाम के लिए मजबूत किया जाएगा निगरानी तंत्र

प्रशिक्षण में ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय स्तर पर 'बाल विवाह मुक्त' निगरानी समितियों के गठन पर विशेष चर्चा की गई। अक्षय तृतीया जैसे अवसरों पर विशेष सतर्कता रखने और सूचना तंत्र को मजबूत करने के निर्देश भी दिए गए, ताकि बाल विवाह की घटनाओं को पहले ही रोका जा सके।

## बाल विवाह के दुष्परिणामों से कराया गया अवगत

प्रतिभागियों को बताया गया कि बाल विवाह से बालिकाओं के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है, शिक्षा बाधित होती है तथा मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में वृद्धि की संभावना रहती है। इसके साथ ही बच्चों के अधिकारों पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

## चाइल्ड हेल्पलाइन का उपयोग करने की अपील

प्रशिक्षण में अधिकारियों को चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की जानकारी देते हुए बताया गया कि बाल विवाह की सूचना मिलने पर तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1098 पर जानकारी दी जा सकती है। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाती है। कार्यक्रम के अंत में अधिकारियों से अपील की गई कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाकर बाल विवाह को रोकने में सक्रिय भूमिका निभाएं और 'बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़' के संकल्प को सफल बनाने में सहयोग करें।

# मिशन 2026 की बड़ी जीत: कांकेर पुलिस के सामने 11 नक्सलियों ने,च-47 और बारूद का जखीरा छोड़ मुख्यधारा में लौटे

**कांकेर/मूक पत्रिका**

**विक्रम ठाकुर** /:-कांकेर उत्तर बस्तर में वामपंथी उग्रवाद के उन्मूलन की दिशा में पुलिस को एक ऐतिहासिक कामयाबी हासिल हुई है। शासन की 'पूना मारगेम' (पुनर्वास से पुनर्जीवन) पहल से प्रभावित होकर उत्तर बस्तर और आरकेबी डिवीजन के कुल 11 सक्रिय माओवादियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया है। आत्मसमर्पण करने वाले इन नक्सलियों पर कुल 60 लाख रुपये का इनाम घोषित था। मंगलवार को पुलिस लाइन कांकेर में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा, बीएसएफ और एसएसबी के वरिष्ठ कमांडेंट की उपस्थिति में इन कैडरों ने अपने हथियार डाल दिए।

**बड़े इनामी चेहरों ने छोड़ा साथ**-आत्मसमर्पण करने वालों में कई खूंखार नक्सली शामिल हैं, जो लंबे समय से बड़ी घटनाओं में संलिप्त स्वरूपा उसेण्डी (PPCM)8 लाख की इनामी, वर्ष 2009 से सक्रिय। इन पर 2 अपराध और 7 स्थायी वारंट लंबित थे। मंगेश पोड़ियामी (ACM): 5 लाख का इनामी, जो 2015 में बरबसपुर खदान में 15 वाहनों को आग लगाने की घटना में शामिल था। शंकर मरकाम (PPCM) व हिड़मा दूधी (PM): प्रत्येक पर 8-8 लाख का इनाम। अन्य प्रमुख नामः राधिका कुंजाम, गणेश उर्फ सूर्यपाल बोड्डू, हिड़मे मरकाम, राजे मोड़ियामी, मंगती जुरी, संदीप कड़ियाम और रानू उर्फ संजू ।

### हथियारों का जखीरा और डंप बरामद:

नक्सलियों ने आत्मसमर्पण के दौरान 1,च-47, 3 स्क्र और 3 नग .303 राइफल सहित कुल 09 घातक हथियार पुलिस को सौंपे। इसके अलावा, पुलिस ने नक्सलियों के विभिन्न डंप से भारी मात्रा में विस्फोटक और हथियार बरामद किए हैं, जिनमें इंसास राइफल, बीजीएल (क्नरु) लॉन्चर और 7 देशी कट्टा। बीजीएल सेल, ग्रेनेड, डेटोनेटर और 5 लाख रुपये नगद शामिल हैं।

### क्षेत्र में विकास और शांति की नई उम्मीद

पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने बताया कि इन प्रमुख कैडरों के हटने से माओवादी संगठन की संरचना को गहरा झटका लगा है। उन्होंने शेष बचे नक्सलियों से भी अपील की है कि वे हिंसा छोड़कर शासन की पुनर्वास नीति का लाभ उठाएं। आत्मसमर्पित नक्सलियों को नियमानुसार आर्थिक सहायता, कौशल प्रशिक्षण, आवास और शिक्षा की सुविधाएं प्रदान की जाएंगी ताकि वे सम्मानजनक जीवन जी सकें।

### प्रमुख उपस्थिति:

कार्यक्रम के दौरान टी. मोहन (कमांडेंट क्सन्न), रवि भूषण (कमांडेंट 178 वाहिनी क्सन्न), प्रियव्रत शर्मा (कमांडेंट 33वीं वाहिनी स्स्क्र), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीमाल, योगेश साहू, दिनेश सिन्हा सहित नक्सल ऑपरेशन के आला अधिकारी मौजूद रहे।

# नशे के खिलाफसरिया पुलिस की कार्रवाई जारी: 73 किलो गांजा के साथ 3 तस्कर गिरफ्तार, दो कार और मोबाइल जब्त

**सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका**

अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ सरिया पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 73 किलो 345 ग्राम गांजा के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह गांजा उड़ीसा से कोरबा ले जाया जा रहा था। आरोपियों के कब्जे से एक वेन्यू कार, एक क्रेटा कार और तीन मोबाइल भी जब्त किए गए हैं। जब्त सामग्री की कुल कीमत करीब 24 लाख 42 हजार रुपये बताई जा रही है।

**पायलटिंग कर हो रहा था गांजा परिवहन**-पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक काले रंग की वेन्यू कार में गांजा परिवहन किया जा रहा है और उसके आगे-आगे एक क्रेटा कार पायलटिंग कर रही है। सूचना के आधार पर कंचनपुर बैरियर के पास घेराबंदी कर दोनों

वाहनों को रोका गया। वेन्यू कार की तलाशी लेने पर अंदर रखे 70 पैकेट में कुल 73 किलो 345 ग्राम गांजा बरामद हुआ।

**पूछताछ में उड़ीसा कनेक्शन आया सामने**-पकड़े गए आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वे उड़ीसा के कंटामाल (जिला बौद्ध) से गांजा खरीदकर कोरबा में बिक्री के लिए ले जा रहे थे। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफएनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध नशे के कारोबार पर बड़ा प्रहार माना जा रहा है।

गिरफ्तार आरोपी

1. रमेश सिदार उर्फ सोनू सिदार (ग्राम छुरी, थाना कटघोरा, जिला कोरबा)

2. राजेंद्र कुमार दिवाकर (ग्राम सेमीपाली, थाना उरगा, जिला कोरबा। 3. प्रीतम चेलकर (ग्राम छुरी, थाना कटघोरा, जिला कोरबा)

इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी प्रमोद यादव, उप निरीक्षक कमल राजपूत, प्रधान आरक्षक विजय यादव, आरक्षक नरेंद्र चंद्रा, विमल जांगड़े, श्रवण, दिलीप स्नेही, खेमलाल अनुज, दिगंबर, लक्ष्मी पटेल, साइबर सेल से रामकुमार मानिकपुरी सहित थाना स्टाफ की अहम भूमिका रही।

# कलेक्टर ने किया जिला चिकित्सालय का निरीक्षण,निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण, प्रगति की समीक्षा

**स्लग- मरीजों से सीधा संवाद कर कलेक्टर ने लिया स्वास्थ्य सेवाऐं एवं दी जा रही सुविधाओं का जानकारी**

**जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका**

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने आज जिला चिकित्सालय जांजगीर का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं एवं व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने चिकित्सालय के विभिन्न वार्डों, इकाइयों एवं सेवाओं का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं की गुणवत्ता, संसाधनों की उपलब्धता तथा मरीजों को दी जा रही सुविधाओं का विस्तार से जायजा लिया। कलेक्टर ने आपातकालीन वार्ड में भर्ती मरीजों की स्थिति, उपचार की प्रक्रिया, डॉक्टरों एवं स्टाफ की उपलब्धता तथा बेड की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी आपात स्थिति में मरीजों को तत्काल एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराया जाए तथा बेड की कमी जैसी समस्याएं उत्पन्न न हों, इसके लिए पूर्व तैयारी सुनिश्चित की जाए। इसके पश्चात कलेक्टर ने

चिकित्सालय परिसर में निर्माणाधीन क्रिटिकल केयर एवं विभिन्न वार्ड का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति, गुणवत्ता एवं निर्धारित समय-सीमा का आकलन किया। साथ ही चिकित्सालय में आवश्यक सुधार एवं कमियों की जानकारी लेकर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र दूर करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने ऑपरेशन थिएटर एवं एनआईसीयू का निरीक्षण करते हुए वहां उपलब्ध उपकरणों, मशीनों एवं संसाधनों की स्थिति की जानकारी ली । उन्होंने आवश्यक उपकरणों की मांग, उनकी स्वीकृति एवं आवश्यक संसाधनों के लिए मांग प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने निरीक्षण के दौरान मरीजों के परिजनों के लिए बैठने एवं प्रतीक्षा व्यवस्था का भी अवलोकन किया। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि चिकित्सालय में आने वाले परिजनों को मूलभूत सुविधाएं जैसे बैठने की समुचित व्यवस्था, पेयजल एवं स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराया जाए । कलेक्टर ने डायलिसिस यूनिट का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध मशीनों, मरीजों की संख्या एवं पानी की उपलब्धता की स्थिति की जानकारी ली तथा पानी एवं अन्य आवश्यक संसाधनों की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने शिशु वार्ड का निरीक्षण कर नवजात एवं बच्चों को दी जा रही चिकित्सा सेवाओं का अवलोकन किया। उन्होंने निर्देश दिए कि बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध उपचार उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने मानव संसाधन की स्थिति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य कर्मचारियों की उपलब्धता, रिक्त पदों एवं उनकी स्वीकृति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि जहां आवश्यकता हो, वहां शीघ्र प्रस्ताव भेजकर मानव संसाधन की पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने मरीजों एवं उनके परिजनों से सीधे संवाद स्थापित कर उपचार, दवाओं की उपलब्धता एवं चिकित्सालय की व्यवस्थाओं के संबंध में फीडबैक लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों एवं सुझावों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। कलेक्टर श्री महोबे ने निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज स्थल तथा अस्थायी रूप से संचालित किए जाने हेतु प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज भवन का निरीक्षण कर निर्माण कार्य एवं तैयारियों का अवलोकन किया। कलेक्टर ने निर्माणाधीन भवन की प्रगति, कार्य की गुणवत्ता, उपयोग की जा रही निर्माण सामग्री एवं निर्धारित समय-सीमा का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित एजेंसी एवं अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्य में गुणवत्ता के मानकों का पूर्णतः पालन सुनिश्चित किया जाए तथा परियोजना निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण हो। कलेक्टर ने मेडिकल कॉलेज के अस्थायी संचालन के लिए प्रस्तावित भवन लवलीहुड कॉलेज का भी निरीक्षण करते हुए उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं, आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर एवं व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित किया कि भवन को मेडिकल कॉलेज संचालन के अनुरूप सभी आवश्यक मानकों के साथ तैयार किया जाए।

# कुंवरगढ़ महोत्सव में मुख्यमंत्री को आमंत्रण, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने सौंपा न्योता

**रायपुर/मूक पत्रिका**

जिला जनसंपर्क कार्यालय रायपुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को आगामी कुंवरगढ़ महोत्सव में शामिल होने के लिए औपचारिक आमंत्रण दिया। इस दौरान कलेक्टर डॉ. सिंह ने मुख्यमंत्री को महोत्सव के महत्व, इसकी ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विशेषताओं तथा आयोजन की विस्तृत रूपरेखा की जानकारी दी। उन्होंने मुख्यमंत्री से कार्यक्रम में उपस्थित होकर महोत्सव की गरिमा बढ़ाने का आग्रह किया। बताया गया कि कुंवरगढ़ महोत्सव क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत, लोककला और इतिहास को नई पहचान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। महोत्सव के माध्यम से क्षेत्र के गौरवशाली इतिहास को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुमार बिश्वरंजन एवं एसडीएम नंदकुमार चौबे भी उपस्थित रहे।

# कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे द्वारा ग्राम छोटे लेंधरा का औचक निरीक्षण, छात्रावास की व्यवस्थाओं से लेकर नरेगा और पीएम आवास की प्रगति का अवलोकन, लापरवाही पर सख्त

**कन्या छात्रावास में छात्राओं से सीधा संवाद, बाउंड्री वॉल और मूलभूत सुविधाओं को लेकर दिए निर्देश**

**सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका**

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने ग्राम छोटे लेंधरा का औचक निरीक्षण कर विभिन्न शासकीय योजनाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्रावास, मनरेगा कार्य और प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। ग्राम लेंधरा में संचालित 45 सीटर प्री-मैट्रिक कन्या छात्रावास के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने छात्राओं से बातचीत की और उनकी पढ़ाई व भविष्य की योजनाओं के

बारे में जानकारी ली। इस दौरान छात्रा प्रिया ने पुलिस बनने की इच्छा जताई। कलेक्टर ने बच्चों से परीक्षा की तैयारी और अन्य सुविधाओं की स्थिति भी जानी। छात्राओं ने छात्रावास में बाउंड्री वॉल की कमी की समस्या बताई, जिस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान किचन रूम में पीडीएस से मिलने वाले चावल की गुणवत्ता की जांच की गई। साथ ही खिड़कियों में जालीदार पर्दे लगाने के निर्देश छात्रावास अधीक्षिका गायत्री टंडन को दिए गए। कलेक्टर ने छात्राओं के कमरों का निरीक्षण कर पंखा और बिजली व्यवस्था की भी जानकारी ली। इस दौरान छात्रावास में पोताई का कार्य प्रगति पर पाया गया। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बन रहे आवासों की भी समीक्षा की। यहां कुल 115 आवास स्वीकृत हैं, जिनमें से 83 पूर्ण हो चुके हैं। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि 13 हितग्राही आवास निर्माण में रुचि नहीं ले रहे हैं, जिस पर कलेक्टर ने उनका पंचनामा कर निरस्त करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को योजनाओं का कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

**मनरेगा से 300 मीटर नाला निर्माण प्रगति पर, 1600 एकड़ क्षेत्र के किसानों को मिलेगा केडार डेम का पानी**- कलेक्टर ने छोटे लेंधरा में मनरेगा के तहत बन रही 300 मीटर लंबी नाला निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि इस नाला के माध्यम से केडार नहर से सिंचाई के लिए पानी पहुंचेगा, जिससे लगभग 1600 एकड़ क्षेत्र में किसानों को लाभ मिलेगा।

# गुरु ही शिष्य को ज्ञानवान, चरित्रवान व समर्थवान बनाता है - डॉ. रामरतन

**जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका**

गुरु शिष्य परम्परा भारतीय संस्कृति का एक अभिन्न अंग है।एक गुरु ही शिष्य के जीवन में ज्ञान रूपी अमृत का सिंचन कर उसे ज्ञानवान, चरित्रवान व समर्थवान बनाता है। राष्ट्र निर्माण में योगदान अतुलनीय है। यह उक्ति डॉ. रामरतन श्रीवास 'राधे राधे' (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष - जीवनधारा नमामि गंगे जल संसाधन नदी विकास गंगा संरक्षण मंत्रालय भारत सरकार एवं राष्ट्रीय महामंत्री - काव्य रसिक संस्थान) ने कहा कि गुरु-शिष्य परंपरा भारतीय संस्कृति की एक प्राचीन और पवित्र धारा है, जो ज्ञान को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक अखंड रूप से पहुँचाती है। यह केवल किताबी शिक्षा नहीं, बल्कि गुरु द्वारा शिष्य के मानसिक, नैतिक और आध्यात्मिक विकास का मार्गदर्शक है, जो समर्पण, श्रद्धा और विश्वास पर आधारित होकर चरित्र निर्माण और सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखता है। यह उपरोक्त उद्गार इंजीनियर विनय सिंह क्षत्रिय ने कहा। गुरू वह व्यक्ति होता है जो ज्ञान और अनुभव की ज्योति को शिष्य के जीवन में प्रकाशित करता है, जबकि शिष्य वह व्यक्ति होता है जो गुरु के उपदेशों और मार्गदर्शन में ज्ञान और श्रद्धा के साथ सीखने का प्रयास करता है

यह उक्ति इंजीनियर रमेश साव ने कहा। कृष्ण कुमार साहू ने कहा कि शिष्य का कार्य गुरु के उपदेशों को अपनाना और उन्हें अपने जीवन में अमल में लाना होता है। कवयित्री लतेलिन 'लता' प्रधान ने अपने विचार रखते हुए बोली कि गुरु और शिष्य का संबंध एक अनोखा रिश्ता है जो ज्ञान, समृद्धि और साधना की ओर बढ़ता है। ऊषा यादव ने मन की बात कही है कि गुरु का रिश्ता केवल एक व्यक्ति के जीवन को प्रेरित नहीं करता है, बल्कि समाज को भी मजबूत और सशक्त बनाता है। सियाबाई ने गुरू की महिमा अनंत है जिसे वेद, पुराण ग्रंथ इत्यादि में वर्णित करने का प्रयास किया गया है लेकिन पूरी तरह से गुणगान करने में असमर्थ रहा। तो हम साधारण व्यक्ति व्याख्या नहीं कर सकते हैं। उक्त सभी कथन वर्ष 1988 में पूर्व माध्यमिक विद्यालय पिसौद जांजगीर-चांपा के छात्रों ने गुरू राधे श्याम कवंर गुरूजी के सेवा निवृत्त के अवसर पर कहा।गुरु राधे श्याम कवंर ने अपने पढ़ाए हुए छात्र/छात्राओं को देखकर भाव विभोर होकर भावुक हो गए।उन्होंने सभी के जीवन में मंगल कामना प्रेषित किया और ईश्वर से प्रार्थना किया कि इनके सभी समस्या को मेरे पास छोड़ दें , दुनिया की सारी खुशियां साथ लेकर जाएं साथ ही साथ निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर होते रहे। आज मैं अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ कि मेरे शिष्य कोई इंजिनियर है. कोई डॉक्टर है, कोई केंद्रीय कर्मचारी , कोई राज्य कर्मचारी, कोई निजी क्षेत्र में , तो कोई सार्वजनिक क्षेत्र में, कोई धार्मिक क्षेत्र में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। कोई गृहणी बनकर भी राष्ट्र निर्माण में शामिल हैं ।मेरी शुभकामनाएं सदैव आप सभी के साथ है । कवंर गुरूजी ने अपने पढ़ाए हुए छात्र डॉ. राम रतन श्रीवास 'राधे राधे' को पशुपतिनाथ भारत-नेपाल अंतर्राष्ट्रीय साहित्य महोत्सव का ब्रांड एम्बेसडर बनने पर बधाई प्रेषित किया। सभी छात्रों ने मिलकर गुरु वंदना के साथ आरती भी उतारी और कवयित्री लतेलिन 'लता' प्रधान, डॉ. राम रतन श्रीवास 'राधे राधे' ने अपनी कविताओं से सभी का मन मोह लिया।कंवर गुरुजी ने शायराना अंदाज़ में अपनी कविताओं का वाचन किया वहीं कलम की मुस्कान 'लता' की पुस्तक का विमोचन किया गया। कंवर गुरुजी को स्मृति चिन्ह, अंग वस्त्र मेडल देकर सम्मानित किया गया। वहीं कंवर गुरुजी के कर कमलों से सभी छात्र छात्राओं को मेडल देकर सम्मानित किया गया।

**समापन अवसर में मां भद्रकाली मंदिर में दिया गया सामाजिक समरसता का संदेश, समापन दिवस में पहुंचे समाज के दिग्गज पदाधिकारी**

# कलार समाज का सामाजिक सद्भावना यात्रा हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

**यात्रा का मुख्य आकर्षण 95 ग्रामों से लिए रज विग्रह रहा**

**जिसके दर्शन के लिए सामाजिक बंधुओं का दिन भर ताता लगा रहा**

**प्रदेश अध्यक्ष युवराज सिन्हा ने पूरे प्रदेश में सद्भावना यात्रा निकालने की अपील किया**

**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

छत्तीसगढ़ कलार समाज बेमेतरा के जिलाध्यक्ष विरेन्द्र जायसवाल द्वारा चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिवस 19मार्च से सामाजिक जन चेतना को मजबूत बनाने हेतु जिले के सभी पांच मंडल के लगभग 95गांवों में यात्रा कर 29मार्च 2026 समापन हुआ कलार समाज की एकता भाईचारा और सामाजिक संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए यात्रा की गई यात्रा का मुख्य उद्देश्य समाज में व्याप्त बुराइयों को दूर करने का प्रयास सामाजिक आदर्श विवाह को प्रोत्साहन देना युवाओं को समाज से जोड़ना नशामुक्त बनाना था। समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ कलार समाज के प्रदेश अध्यक्ष युवराज सिन्हा ने कहा कि जिलाध्यक्ष विरेन्द्र जायसवाल के यात्रा द्वारा समाज में एक नई ऊर्जा, एक नई चेतना और आपसी भाईचारे का सशक्त संदेश प्रसारित हुआ है।जिन्होंने इस यात्रा के माध्यम से जिले के सभी स्वजाति गांवों में पहुंचकर वहां के सामाजिक पदाधिकारियों, युवाओं, वरिष्ठजनों, माताओं एवं बहनों से आत्मीय मुलाकात की। यह केवल एक यात्रा नहीं थी, बल्कि समाज को जोड़ने, एक-दूसरे के सुख-दुःख को समझने और एकता के सूत्र में बांधने का एक सराहनीय प्रयास रहा है। इस पहल ने समाज के प्रत्येक वर्ग में उत्साह और विश्वास का संचार किया है। गांव-गांव जाकर संवाद स्थापित करना, सभी को साथ लेकर चलने का संदेश देना यह हमारे समाज की मजबूती का प्रतीक है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से अमरकांत सिन्हा प्रांत संयोजक भवन समिति, नंदू सिन्हा देवलाल सिंहा प्रदेश उपाध्यक्ष युवा मंच, सेवाराम सिन्हा प्रदेश निर्वाचन अधिकारी, हरि सिन्हा प्रदेश प्रचार प्रमुख, राजेंद्र सिन्हा प्रदेश विशेष आमंत्रित सदस्य, सुरेश सिहोरे अध्यक्ष नगर पंचायत देवकर, लिलेश्वर सिन्हा कलाकार मोहन सिन्हा जिला मंत्री, अशोक जायसवाल मंडलेश्वर बेमेतरा, अजय सिन्हा मंडलेश्वर नवागढ़ ,डॉ.राजेश सिन्हा सचिव थानखम्हरिया, पोषण सिन्हा जनपद सदस्य बेरला, मदन सिन्हा संरक्षक बेरला, सुरेश सिन्हा संरक्षक नवागढ़, दीपक सिन्हा, केशरीनंदन सिन्हा सोमप्रकाश सिन्हा, जीवन राम सिन्हा पार्षद वार्ड क्रमांक 10 नवागढ़ , श्रीमती हेमलता सिन्हा सरपंच ग्राम पंचायत पदमी, रूखमणि सिन्हा जिला कार्यकारिणी सदस्य, सीमा सिन्हा, पूजा सिन्हा, सहित भारी संख्या में स्वजाति मौजूद रहें। कार्यक्रम का संचालन मण्डल सचिव दिलीप जायसवाल ने किया ।

## संपादकीय

# दुनिया में गहरा रहा जल संकट, आई डरावनी चेतावनी

दुनिया में बढ़ता जल संकट चिंता का विषय बना हुआ है। अगला विश्व युद्ध पानी के लिए लड़े जाने की भविष्यवाणियां तक की जा चुकी हैं। संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय के जल, पर्यावरण और स्वास्थ्य संस्थान के शोधकर्ताओं की हाल में आई एक रपट इन चिंताओं को और गंभीर रूप दे रही है। इसमें कहा गया है कि पिछले कई दशकों के दौरान जल के अत्यधिक दोहन, सिमटते भूजल स्रोतों, भूमि क्षरण, बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से उपजी बाधाओं की वजह से दुनिया अब जल संकट की अवस्था से आगे बढ़कर 'वैश्विक जल दिवालियापन' की स्थिति में कदम रख चुकी है।जब कोई इंसान दिवालिया होता है, तो उसके पास पैसा नहीं बचता, घर तक गिरवी हो जाता है और विश्वसनीयता खत्म हो जाती है। बड़ा सवाल यह है कि अगर दुनिया पानी के लिहाज से दिवालिया हो गई, तो क्या होगा? रपट में शोधकर्ताओं ने जो कुछ कहा है, उसका मतलब यह नहीं कि दुनिया से पानी अचानक खत्म हो जाएगा, बल्कि जिस ढंग से जल का अंधाधुंध दोहन और प्रदूषण बढ़ रहा है, उससे जल व्यवस्था की रीढ़ टूटनी शुरू हो गई है। समूचे विश्व में बहुत पहले से जल संकट की चर्चा होती रही है, मगर इसे एक ऐसे झटके की तरह देखा जाता रहा है, जिससे समय के साथ उबरा जा सकता है। अगर जल संकट के बारे में चेतावनी दी जाती रही है, तो यह भरोसा भी दिलाया जाता रहा है कि फिर से अच्छी बरसात होगी, जल का स्तर सुधर जाएगा और हालात पुनः सामान्य हो जाएंगे।मगर नई रपट ने इस भरोसे पर सवालिया निशान लगा दिया है। रपट में साफ कहा गया है कि विश्व की जल आपूर्ति प्रणाली कई जगहों पर पतन के दौर में पहुंच चुकी है। अनेक क्षेत्रों में पानी की कमी अब स्थायी स्वरूप लेती जा रही है। यह स्थिति केवल पानी की कमी की नहीं, बल्कि व्यवस्था के टूटने की ओर संकेत करती है। ऐसे में अब हमें पानी के बारे में अपने सोचने का ढंग बदलना होगा।अब तक जल संकट को एक अस्थायी समस्या माना जाता रहा है। अकाल पड़े, परेशानियां आईं, मगर कुछ साल बाद हालात सुधर गए।

**सरकारी स्कूलों में एक कक्षा में 60-70 बच्चे बैठते हैं, जहाँ शिक्षक का ध्यान हर बच्चे पर देना असंभव हो जाता है। सरकारी अस्पतालों में मरीजों की इतनी भीड़ होती है कि डॉक्टर को एक मरीज को देखने के लिए मुश्किल से दो मिनट मिलते हैं। बढ़ती आबादी के कारण सरकार चाहकर भी हर व्यक्ति तक अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधा नहीं पहुँचा पाती। भारत आज दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन चुका है। 2024 में भारत की जनसंख्या लगभग 145 करोड़ को पार कर गई है। यह एक ऐसी समस्या है जो देश के विकास, संसाधनों, पर्यावरण और लोगों के जीवन स्तर पर सीधा असर डालती है। एक तरफ जहाँ देश तरक्की की राह पर आगे बढ़ रहा है, वहीं दूसरी तरफ बढ़ती आबादी उस तरक्की को खा जा रही है। सड़कों पर भीड़, अस्पतालों में लंबी कतारें, स्कूलों में जगह की कमी और बेरोजगारी– ये सब बढ़ती जनसंख्या के प्रत्यक्ष परिणाम हैं। इस लेख में हम बढ़ती जनसंख्या से होने वाले नुकसानों को समझेंगे और उन पारंपरिक विचारधाराओं का खंडन करेंगे जो अधिक संतान पैदा करने को प्रेरित करती हैं।**

# जनसंख्या नियंत्रण की आवश्यकता- बढ़ती जनसंख्या के दुष्परिणाम और पारंपरिक भ्रांतियाँ

(डॉ. शैलेश शुक्ला )

बढ़ती जनसंख्या के दुष्परिणामः गरीबी और भुखमरीः जब किसी परिवार में कमाने वाला एक होता है और खाने वाले दस, तो गरीबी अपने आप आ जाती है। यही बात पूरे देश पर लागू होती है। भारत में उत्पादन बढ़ रहा है, लेकिन उससे कहीं ज्यादा तेजी से आबादी बढ़ रही है। नतीजा यह होता है कि प्रति व्यक्ति आय कम रह जाती है। करोड़ों लोग आज भी दो वक्त की रोटी के लिए जूझ रहे हैं। गरीबी का सीधा संबंध अधिक जनसंख्या से है।

बेरोजगारी - हर साल लाखों युवा पढ़-लिखकर नौकरी ढूँढने निकलते हैं, लेकिन नौकरियाँ उतनी तेजी से नहीं बढ़तीं जितनी तेजी से लोग बढ़ रहे हैं। एक सरकारी पद के लिए लाखों आवेदन आते हैं। इससे निराशा, अपराध और सामाजिक अस्थिरता बढ़ती है। अगर जनसंख्या नियंत्रित होती तो हर हाथ को काम मिलना आसान होता।

शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं पर बोझ- सरकारी स्कूलों में एक कक्षा में 60-70 बच्चे बैठते हैं, जहाँ शिक्षक का ध्यान हर बच्चे पर देना असंभव हो जाता है। सरकारी अस्पतालों में मरीजों की इतनी भीड़ होती है कि डॉक्टर को एक मरीज को देखने के लिए मुश्किल से दो मिनट मिलते हैं। बढ़ती आबादी के कारण सरकार चाहकर भी हर व्यक्ति तक अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधा नहीं पहुँचा पाती।

पर्यावरण का विनाश- ज्यादा लोग यानी ज्यादा जमीन की जरूरत, ज्यादा पानी की खपत, ज्यादा प्रदूषण और ज्यादा कचरा। जंगल काटकर बस्तियाँ बसाई जा रही हैं, नदियाँ प्रदूषित हो रही हैं, भूजल का स्तर गिर रहा है। जलवायु परिवर्तन का एक बड़ा कारण अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि है। अगर यही रफ्तार जारी रही तो आने वाली पीढ़ियों को साफ पानी और स्वच्छ हवा भी नसीब नहीं होगी।

आवास और शहरीकरण की समस्या- शहरों में जगह कम पड़ रही है। मुंबई, दिल्ली जैसे शहरों में झुग्गी-झोपड़ियों की संख्या बढ़ती जा रही है। लोग तंग और अस्वच्छ जगहों पर रहने को मजबूर हैं। ट्रैफिक जाम, पानी की कमी और बिजली की समस्या – ये सब अधिक जनसंख्या का ही नतीजा है।

अपराध और सामाजिक अशांत- जब लोगों की बुनियादी जरूरतें पूरी नहीं होतीं तो अपराध बढ़ता है। भूख, बेरोजगारी और निराशा लोगों को गलत रास्ते पर धकेलती है। अधिक जनसंख्या वाले इलाकों में चोरी, लूट और हिंसा की घटनाएँ ज्यादा देखी जाती हैं।

पारंपरिक भ्रांतियाँ और उनका खंडन- हमारे समाज में कई ऐसी पुरानी मान्यताएँ प्रचलित हैं जो लोगों को अधिक संतान पैदा करने के लिए प्रेरित करती हैं। इन मान्यताओं की जड़ें धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक परंपराओं में हैं। आइए इन भ्रांतियों को एक-एक करके समझें और उनका तर्कपूर्ण खंडन करें।

भ्रांति 1ः संतान से मोक्ष मिलता है- यह सबसे प्रचलित मान्यता है कि पुत्र के बिना मोक्ष नहीं मिलता। कहा जाता है कि पुत्र पिंडदान करेगा तो पूर्वज मुक्त होंगे। इस मान्यता के कारण लोग बेटे की चाह में कई संतानें पैदा करते रहते हैं।

खंडन - अगर हम धर्मग्रंथों को गहराई से पढ़ें तो मोक्ष कर्म, ज्ञान और भक्ति से मिलता है, संतान की संख्या से नहीं।

भगवद्गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं कि मोक्ष का मार्ग निष्काम कर्म और आत्मज्ञान है। कोई भी धर्मग्रंथ यह नहीं कहता कि जिसके ज्यादा बच्चे होंगे, उसे ज्यादा पुण्य मिलेगा। मोक्ष व्यक्ति के अपने आचरण, सदाचार और आध्यात्मिक साधना पर निर्भर करता है। अगर संतान से ही मोक्ष मिलता तो संन्यासियों, साधुओं और ऋषि-मुनियों को मोक्ष कैसे प्राप्त होता? शंकराचार्य, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद – इन सबने संतान नहीं उत्पन्न की, फिर भी ये महापुरुष माने गए।

भ्रांति 2- बेटा जरूरी है, बेटी से काम नहीं चलता ः समाज में यह धारणा गहरी जड़ें जमाए बैठी है कि बेटा वंश आगे बढ़ाता है, बुढ़ापे का सहारा बनता है और अंतिम संस्कार करता है। इसलिए लोग बेटे की चाह में बच्चे पैदा करते रहते हैं।

खंडन - आज के समय में बेटियाँ हर क्षेत्र में बेटों से आगे निकल रही हैं। चाहे सेना हो, अंतरिक्ष हो, खेल हो या प्रशासन – बेटियाँ हर जगह अपना परचम लहरा रही हैं। कई बेटियाँ अपने माता-पिता की बुढ़ापे में बेटों से बेहतर देखभाल करती हैं। रही बात अंतिम संस्कार की, तो आज कानूनी रूप से बेटी को भी यह अधिकार प्राप्त है। जो लोग बेटे की चाह में पाँच-छह बेटियाँ पैदा कर देते हैं, वे न उन बेटियों को अच्छी शिक्षा दे पाते हैं, न अच्छा जीवन। यह कोई समझदारी नहीं, बल्कि मूर्खता है।

भ्रांति 3 - ज्यादा बच्चे यानी बुढ़ापे का सहारा ः कई लोग सोचते हैं कि जितने ज्यादा बच्चे होंगे, बुढ़ापे में उतना ज्यादा सहारा मिलेगा। उनका मानना है कि एक-दो बच्चे हुए तो कौन देखभाल करेगा। खंडन - सच्चाई यह है कि आज के समय में ज्यादा बच्चे होने का मतलब ज्यादा सहारा नहीं, बल्कि ज्यादा खर्चा और ज्यादा चिंता है। अगर आप दो बच्चों को अच्छी शिक्षा देते हैं, उन्हें संस्कारवान बनाते हैं, तो वे दो बच्चे दस बच्चों से बेहतर देखभाल करेंगे। दूसरी तरफ, अगर पाँच-छह बच्चे हों और किसी को भी अच्छी शिक्षा या संस्कार न मिले, तो वे सब मिलकर भी बुढ़ापे में सहारा नहीं बन पाएँगे। आज वृद्धाश्रमों में ऐसे बहुत से बुजुर्ग हैं जिनके चार-पाँच बच्चे हैं, लेकिन कोई उनकी सुध लेने वाला नहीं।

भ्रांति 4 - संतान ईश्वर की देन है, रोकना पाप है ः कुछ लोगों का मानना है कि संतान ऊपर वाले की मर्जी से आती है और इसे रोकना ईश्वर की इच्छा के विरुद्ध है। इसलिए वे परिवार नियोजन को पाप मानते हैं।

खंडन - ईश्वर ने इंसान को बुद्धि भी दी है। अगर हम बुद्धि का उपयोग नहीं करेंगे तो यह ईश्वर की देन का अपमान होगा। ईश्वर ने हमें सोचने-समझने की शक्ति दी है ताकि हम सही फैसले ले सकें। जब कोई व्यक्ति अपनी आर्थिक हालत जानते हुए भी बिना सोचे-समझे बच्चे पैदा करता रहता है और फिर उन बच्चों को भूखा, अशिक्षित और बीमार रखता है – तो क्या यह ईश्वर की सेवा है? यह तो उन मासूम बच्चों के साथ अन्याय है। असली धर्म यह है कि जितने बच्चे पैदा करो, उन सबकी अच्छे से परवरिश करो। अगर यह संभव नहीं, तो संयम रखना ही सबसे बड़ा धर्म है।

भ्रांति 5 - परिवार नियोजन शरीर के लिए हानिकारक है
ग्रामीण क्षेत्रों में यह अफवाह बहुत फैली हुई है कि नसबंदी या गर्भनिरोधक उपायों से शरीर कमजोर हो जाता है, काम करने की ताकत खत्म हो जाती है या और भी कई तरह की बीमारियाँ हो जाती हैं।

खंडन - चिकित्सा विज्ञान ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि आधुनिक परिवार नियोजन के तरीके पूरी तरह सुरक्षित हैं। नसबंदी एक छोटी सी प्रक्रिया है जिसमें कोई खतरा नहीं होता। गर्भनिरोधक गोलियाँ और अन्य उपाय डॉक्टर की सलाह से लेने पर बिल्कुल सुरक्षित हैं। उलटा, बार-बार गर्भधारण से महिलाओं के शरीर को बहुत ज्यादा नुकसान होता है। कम उम्र में बार-बार माँ बनना महिलाओं में कमजोरी, खून की कमी और कई गंभीर बीमारियों का कारण बनता है।

**जनसंख्या नियंत्रण के उपाय** :जनसंख्या नियंत्रण कोई कठिन काम नहीं है, बस इसके लिए जागरूकता और इच्छाशक्ति चाहिए। सबसे पहले शिक्षा का प्रसार जरूरी है, खासकर लड़कियों की शिक्षा। जो परिवार शिक्षित होते हैं, वे खुद समझ जाते हैं कि छोटा परिवार ही सुखी परिवार है। परिवार नियोजन के साधनों को गाँव-गाँव तक पहुँचाना जरूरी है। सरकार को जागरूकता अभियान चलाने चाहिए जो धार्मिक भ्रांतियों को दूर करें। महिला सशक्तिकरण भी जनसंख्या नियंत्रण में बहुत बड़ी भूमिका निभाता है – जब महिलाएँ आत्मनिर्भर होती हैं तो वे अपने शरीर और अपने परिवार के बारे में सही फैसले लेती हैं।

निष्कर्ष - बढ़ती जनसंख्या भारत की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। यह गरीबी, बेरोजगारी, पर्यावरण विनाश और सामाजिक अशांति की जड़ है। पारंपरिक मान्यताएँ जैसे संतान से मोक्ष, बेटे की अनिवार्यता, ज्यादा बच्चे ज्यादा सहारा – ये सब भ्रम हैं जिनका कोई तार्किक या धार्मिक आधार नहीं है। असली धर्म यह है कि जो बच्चे हैं उनकी अच्छी परवरिश हो, उन्हें शिक्षा मिले, स्वास्थ्य मिले और एक सम्मानजनक जीवन मिले। यह तभी संभव है जब परिवार छोटा हो।

हमें पुरानी सोच को बदलना होगा। मोक्ष संतानों की संख्या से नहीं, अच्छे कर्मों से मिलता है। बेटे और बेटी में कोई भेद नहीं है। बुढ़ापे का सहारा ज्यादा बच्चे नहीं, बल्कि अच्छे संस्कार वाले बच्चे होते हैं। परिवार नियोजन पाप नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार और समझदार कदम है। जब तक हम यह नहीं समझेंगे, तब तक न तो हमारा परिवार खुशहाल होगा और न ही हमारा देश। छोटा परिवार, सुखी परिवार – यह सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि जीवन का सत्य है। (लेखक वैश्विक समूह संपादक, सृजन संसार अंतरराष्ट्रीय पत्रिका समूह है।

महावीर जंयती पर आलेख

# युद्ध विभीषिका के संदर्भ में भगवान महावीर की शिक्षाओं का महत्वः डॉ.सुदेश बाला जैन

जब विश्व के विभिन्न हिस्सों में युद्ध, हिंसा और तनाव की स्थितियाँ लगातार बढ़ रही हैं, तब मानवता एक गहरे संकट का सामना कर रही है। युद्ध केवल भौगोलिक सीमाओं का संघर्ष नहीं होता, बल्कि यह मानवीय संवेदनाओं, नैतिक मूल्यों और सह-अस्तित्व की भावना को भी क्षतिग्रस्त कर देता है। ऐसे समय में भगवान महावीर की शिक्षाएँ एक सार्थक और स्थायी मार्गदर्शन प्रस्तुत करती हैं, जो मानव समाज को शांति, करुणा और संतुलन की दिशा में अग्रसर कर सकती हैं।

भगवान महावीर ने अहिंसा को सर्वोच्च धर्म के रूप में स्थापित किया। उनकी अहिंसा केवल शारीरिक हिंसा तक सीमित नहीं थी, बल्कि विचार, वाणी और व्यवहार में भी अहिंसक दृष्टिकोण अपनाने पर बल देती है। युद्ध की स्थिति में जहाँ हिंसा को समाधान के रूप में देखा जाता है, वहाँ महावीर का यह सिद्धांत हमें यह समझाता है कि हिंसा कभी भी स्थायी शांति का मार्ग नहीं बन सकती। हिंसा केवल प्रतिहिंसा को जन्म देती है और संघर्ष को और अधिक गहरा करती है।

महावीर की शिक्षाओं का एक महत्वपूर्ण आधार सभी जीवित प्राणियों के प्रति समभाव और करुणा है। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि प्रत्येक जीव–चाहे वह सूक्ष्म हो या विकसित–जीवन, पीड़ा, भय और सुख की समान अनुभूति करता है। यह दृष्टिकोण मानव को यह बोध कराता है कि किसी भी जीव को कष्ट पहुँचाना स्वयं मानवता के विरुद्ध है। युद्ध की विभीषिका में जब मनुष्य अपने ही समान जीवों को शत्रु मानकर उनके विनाश का प्रयास करता है, तब महावीर का यह सिद्धांत अत्यंत प्रासंगिक हो उठता है।

भगवान महावीर का दर्शन संप्रदाय-मुक्त और सार्वभौमिक है। उन्होंने किसी विशेष धर्म, जाति या वर्ग के लिए नहीं, बल्कि समस्त जीव-जगत के कल्याण के लिए अपने सिद्धांत प्रस्तुत किए। उनका 'अहिंसा का धर्म' वास्तव में एक ऐसा मानवीय मूल्य है, जिसे कोई भी व्यक्ति, किसी भी समय और किसी भी परिस्थिति में अपना सकता है। युद्ध के समय जब समाज विभाजन और वैमनस्य की ओर बढ़ता है, तब महावीर की यह शिक्षाएँ समन्वय और एकता का संदेश देती हैं।

महावीर ने 'अपरिग्रह' के सिद्धांत के माध्यम से यह बताया कि मनुष्य की अतृप्त इच्छाएँ और अधिकाधिक संग्रह की प्रवृत्ति ही अनेक संघर्षों का मूल कारण है। जब व्यक्ति या राष्ट्र अपनी आवश्यकताओं से अधिक पाने की लालसा में पड़ जाते हैं, तब टकराव और युद्ध की स्थिति उत्पन्न होती है। यदि अपरिग्रह और सादगी को जीवन में अपनाया जाए, तो न केवल व्यक्तिगत स्तर पर संतोष प्राप्त होगा, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी संघर्ष की संभावनाएँ कम होंगी।

उनकी शिक्षाओं में 'जियो और जीने दो' का सिद्धांत विशेष महत्व रखता है। यह सिद्धांत सह-अस्तित्व, सहिष्णुता और परस्पर सम्मान की भावना को प्रोत्साहित करता है। युद्ध की स्थिति में जहाँ एक पक्ष दूसरे के अस्तित्व को समाप्त करने का प्रयास करता है, वहाँ यह विचार शांति और संतुलन की स्थापना का मार्ग प्रशस्त करता है।

महावीर की शिक्षाएँ केवल आध्यात्मिक उपदेश नहीं हैं, बल्कि वे व्यवहारिक जीवन के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत हैं। वे मनुष्य को आत्मसंयम, सादगी, सत्य और करुणा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। यदि इन मूल्यों को व्यक्तिगत, सामाजिक और वैश्विक स्तर पर अपनाया जाए, तो एक शांतिपूर्ण और संतुलित समाज की स्थापना संभव है।

निष्कर्षतः, युद्ध की विभीषिका से ग्रस्त वर्तमान विश्व में भगवान महावीर की शिक्षाएँ अत्यंत प्रासंगिक और आवश्यक हैं। वे हमें यह सिखाती हैं कि वास्तविक शक्ति हिंसा में नहीं, बल्कि अहिंसा, करुणा और आत्मसंयम में निहित है। यदि मानवता इन सिद्धांतों को अपनाए, तो एक ऐसा विश्व निर्मित किया जा सकता है, जहाँ शांति, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों का वर्चस्व हो। यही भगवान महावीर की शिक्षाओं का वास्तविक महत्व है।

# धर्म की आड़ में अधर्म और अमानवीयता के धंधेबाज

**इक्कीसवीं सदी में पहुंच कर भी भारतीय समाज का एक बड़ा हिस्सा आज भी टोना टोटका डायन भूत प्रेत और बाबाओं के चमत्कार पर भरोसा रखता है इतना ही नहीं ये संत के चोले में छिपे शैतान न सिर्फ अरबों करोड़ों की संपति इकट्ठा कर रहे हैं वरन हर तरह की पोपलीला भी टकर रहे हैं धर्म की आड़ में आर्थिक दैहिक शोषण बलात्कार, हत्या, ब्लैकमेलिंग करने जैसे गंभीर अपराधों को अंजाम देने वाले ढोंगी बाबाओं की सूची में अब एक नया नाम नासिक के अशोक खरात का जुड़ गया है। अशोक खरात की कहानी भी राम रहीम और आसाराम जैसे लोगों से अलग नहीं है। धर्म के नाम पर अपनी निजी जीवन की परेशानियों के निराकरण के लिए बाबा पर भरोसा कर आए लोगों को वाकजाल में फंसाना, उनसे धन ऐंठना और महिलाओं का यौन शोषण करना धंधा बन गया है।**

मनोज कुमार अग्रवाल

अब सामने आया है कि लम्बे समय से ये अपराध होते रहें और ढोंगी व्यक्ति खुद को भगवान बताकर चमत्कार दिखाता रहे तो यह न स्वस्थ समाज की पहचान है, न स्वस्थ राजनीति और प्रशासन की। क्योंकि ताकतवर लोगों के प्रोत्साहन के बिना ठगी और अपराध की ऐसी दुकानें चल ही नहीं सकतीं। हो सकता है कि अभी पुलिस हिरासत में आए इस अपराधी को कुछ वक्त तक सलाखों के पीछे ही रहना पड़े, लेकिन इस समय ज्यादा चिंता की बात यह है कि समाज जिस तरह चमत्कारों, अंधविश्वासों और अतार्किक प्रथाओं की सलाखों में कैद है, उससे वह कब आजाद हो पाएगा।

कितनी बड़ी विडंबना है कि जिस महाराष्ट्र में संत तुकाराम संत नामदेव महात्मा ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले, जैसे महापुरुषों की कतार दी, वहां अशोक खरात लोगों को अंधविश्वास की आग फैलाने का मौका मिला। नरेन्द्र दाभोलकर जैसे लोग अंधश्रद्धा के खिलाफ आवाज उठाएं तो उनकी हत्या कर दी जाए और अशोक खरात जैसे लोग अंधश्रद्धा के बूते खुद को गॉडमैन कहलवाएं। यह बेहद हैरत की बात है क्योंकि सरकारें भी ऐसी बातों पर तभी एक्शन लेती है जब बात बहुत आगे बढ़ जाती है। यूं तो देश का राजनीतिक दल इस किस्म के बाबाओं से खुद को दूर रखा है, हर दल में ऐसे नेता मिल जाएंगे, जो ढोंगी चोगों को बढ़ावा देते रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ सालों में समस्या कुछ ज्यादा बढ़ चुकी है, यह मानने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए।

आज जब राष्ट्रपति के गरिमामयी पद पर आसीन माननीय किसी संत के स्थान पर आकर कथित एकांतिक वार्तालाप के लिए समय दे रहीं हैं। ऐसे समय में समाज संत और कालनेमी संत की पहचान कैसे करे? विचारणीय बात यह है कि भगवद भक्ति में लगे लोगों को भौतिक चकाचौंध की दरकार क्यों होनी चाहिए। लेकिन इस सवाल की परतें खोलें तो समझ आता है कि ऐसे लोगों को न भगवदभक्ति से मतलब है, न धर्म की रक्षा से, इन्हें तो अपने उन राजनैतिक और व्यापारी आकाओं की सेवा करनी है, जिनके काले धन को धर्म के धंधे से ये सफेद करते हैं। अशोक खरात का मामला भी कुछ ऐसा ही लगता है।

ताज़ा जानकारी के अनुसार नासिक में कथित 'फर्जी बाबा' अशोक खरात के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नरबलि और अंधश्रद्धा से जुड़े गंभीर आरोपों में मामला दर्ज किया है. नासिक पुलिस ने खरात के खिलाफ अब तक कुल 8 एफआईआर दर्ज की हैं, जिससे इस मामले की गंभीरता और बढ़ गई है। पुलिस ने आरोपी की लाइसेंसी रिवॉल्वर भी जब्त कर ली है और उसका लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस के मुताबिक, ताजा एफआईआर उस व्यक्ति की शिकायत पर दर्ज की गई है, जिसके खिलाफ पहले अशोक खरात ने खुद मामला दर्ज कराया था। अब उसी व्यक्ति ने खरात पर संगीन आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में दावा किया गया है कि 2018 से 2025 के बीच आरोपी ने जान से मारने की धमकी देकर शिकायतकर्ता से भारी आर्थिक ठगी की आरोप है कि फरवरी 2020 से मार्च 2026 के बीच आरोपी ने एक महिला को अपने ऑफिस बुलाया। तांबे की बोतल में 'मंत्रित पानी' पिलाया गया। इसके बाद धार्मिक अनुष्ठान के नाम पर बार-बार शारीरिक संबंध बनाए। जब पीड़िता गर्भवती हुई तो बाद में गर्भपात के लिए दबाव डाला गया। मना करने पर जान और बच्चे को खतरे की धमकी दी गई। इस प्राथमिक रिपोर्ट में आरोप है कि 'दिव्य औषधि'के नाम पर महिला का मानसिक और शारीरिक शोषण किया गया।

स्वयंभू चमत्कारी बाबा यह शख्स अब महिलाओं के साथ शारीरिक शोषण, ब्लैकमेलिंग और करोड़ों की बेनामी संपत्ति बनाने के आरोपों में घिरा हुआ है। दरअसल 29 दिसंबर 2025 को अशोक खरात खुद वावी पुलिस स्टेशन पहुंचा और उसने शिकायत दर्ज कराई कि कुछ लोग उसके आपत्तिजनक फोटो और वीडियो के जरिए उसे ब्लैकमेल कर रहे हैं। शुरुआत में मामला ब्लैकमेलिंग का लगा, लेकिन जब पुलिस ने जांच शुरू की तो मोबाइल डेटा और साइबर जांच में कोई ठोस सबूत नहीं मिला। जिन लोगों पर आरोप लगाए गए थे, उन्हें भी अदालत से राहत मिल गई। यहीं से पुलिस को शक हुआ कि मामला कुछ और ही है। करीब डेढ़ महीने बाद 18 फरवरी 2026 को शिर्डी से एक और शिकायत सामने आई। एक महिला ने आरोप लगाया कि उसे एआई से तैयार अश्लील फोटो भेजकर धमकाया गया। इसी दौरान एक अहम गवाह सामने आया, जिसने पुलिस को कुछ ऐसे वीडियो दिखाए जिनमें कई महिलाओं के साथ अशोक खरात की आपत्तिजनक हरकतें नजर आई।

आरोप है कि वह महिलाओं को धार्मिक झांसा देकर अपने जाल में फंसाता था और फिर उनका शोषण करता था। गवाह पहले डरा हुआ था, लेकिन पुलिस की सुरक्षा मिलने के बाद उसने ये सबूत सौंप दिए। मामला आगे बढ़ा तो 10 मार्च 2026 को अशोक खरात के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया और एयरपोर्ट पर उसे रोक दिया गया। फिर फड़नवीस सरकार ने 13 मार्च को एसआईटी गठित की और लगातार नए खुलासे सामने आने लगे। 17 मार्च को सरकारवाड़ा पुलिस स्टेशन में एक महिला ने बताया कि अशोक खरात ने खुद को दैवी शक्तियों वाला बताकर उसे अनुष्ठान के नाम पर अपने ऑफिस बुलाया। वहां उसे नशीला पदार्थ देकर बेहोश किया गया और उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया गया।

इस शिकायत के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसके ठिकानों पर छापेमारी की गई, जहां से कई अहम सबूत मिले। आरोपी के पास से लाखों रुपये नकद, लैपटॉप, डिजिटल रिकॉर्डिंग डिवाइस और हथियार तक बरामद किए गए हैं। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, यह भी सामने आया कि आरोपी ने अलग-अलग जगहों पर करोड़ों की संपत्ति जमा कर रखी है। नासिक, शिर्डी, पुणे और पनवेल जैसे शहरों में जमीन, बंगले और फार्म हाउस उसके नाम या बेनामी रूप से जुड़े हुए पाए गए। कुल संपत्ति का अनुमान करीब 40 करोड़ रुपये से ज्यादा लगाया जा रहा है।

पुलिस का आश्वासन मिलने के बाद अब कई पीड़िताएं सामने आई हैं और जादूटोना, यौन शोषण और ब्लैकमेलिंग जैसे गंभीर आरोप खरात पर लगे हैं। सबसे गंभीर बात यह है कि एनसीपी अजित गुट की नेता और महाराष्ट्र महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर का भी एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो अशोक खरात के पैर धोती दिखाई दे रही हैं। हालांकि अब देवेन्द्र फड़नवीस ने उचित कदम उठाते हुए चाकणकर से इस्तीफा ले लिया है। वहीं चाकणकर का भी कहना है कि वो आरोपी को 2019 से जानती थीं और उसके काले कारनामों से परिचित नहीं थी। लेकिन उन्हें यह भी बताना चाहिए कि किसी पुरुष के पैर धोने जैसे काम क्या राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष को करना चाहिए। क्या इससे गैरबराबरी का संदेश नहीं जाता है। बहरहाल अब अशोक खरात तो पुलिस हिरासत में है, इस मामले में अब जांच का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। पहले इस केस की आंच राजनीति तक पहुंची थी और अब प्रशासनिक अधिकारी भी इसकी चपेट में आते नजर आ रहे हैं। इसी क्रम में मुंबई में उपजिलाधिकारी के पद पर कार्यरत अधिकारी अभिजीत भांडे पाटिल का तबादला कर दिया गया है।

# धरसींवा में आधुनिक तहसील कार्यालय का लोकार्पण: सुगम, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित प्रशासन की दिशा में बड़ा कदम: मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

## 66.20 लाख की लागत से बना सर्वसुविधायुक्त भवन, राजस्व सेवाओं में आएगी तेजी और पारदर्शिता

**रायपुर/मूक पत्रिका**

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बीते मंगलवार को रायपुर जिले के धरसींवा में नवनिर्मित तहसील कार्यालय का लोकार्पण किया। यह पहल प्रशासनिक सेवाओं को आमजन के और अधिक निकट, सुलभ और प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सुशासन का मूल उद्देश्य यही है कि नागरिकों को उनकी जरूरत की सेवाएं समय पर, सरल और पारदर्शी तरीके से मिलें। धरसींवा का यह नया तहसील कार्यालय इसी संकल्प को साकार करता है। उन्होंने कहा कि इस भवन के शुरू होने से क्षेत्र के नागरिकों को राजस्व संबंधी कार्यों में अब अधिक सुविधा और तेजी मिलेगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करते हुए ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि हर नागरिक को बिना किसी अनावश्यक परेशानी के बेहतर प्रशासनिक सुविधा उपलब्ध हो। नवनिर्मित तहसील कार्यालय में नायब नाजिर कक्ष, रिकॉर्ड रूम, माल जमार, नकल शाखा, कानूनगो कक्ष, भुइयां एवं भू-अभिलेख शाखा जैसी आवश्यक इकाइयों के साथ-साथ लोक सेवा केंद्र और आधार केंद्र की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। इसके अलावा नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्वच्छ पेयजल सहित अन्य बुनियादी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। उल्लेखनीय है कि इस आधुनिक तहसील कार्यालय का निर्माण 66.20 लाख रुपये की लागत से किया गया है, जो क्षेत्र के प्रशासनिक ढांचे को मजबूती प्रदान करेगा और सेवाओं के बेहतर क्रियान्वयन में सहायक सिद्ध होगा। इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा, संभागायुक्त महादेव कावरे, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, नगर निगम आयुक्त विश्वदीप, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

# खुशियों की किलकारी से गूंजा चौहान परिवार, नन्हे 'निर्वेद' के स्वागत में सजा उल्लास का दरबार

**बरमकेला /मूक पत्रिका**

बरमकेला क्षेत्र के ग्राम बड़े नावापारा चौहान बिल्ला में आज खुशियों का ऐसा माहौल देखने को मिला, जिसने पूरे गांव को उत्सव में बदल दिया।

जनपद अध्यक्ष डॉ. विद्या किशोर चौहान के पारिवारिक निवास से जुड़े इस घर में नन्हे मेहमान 'निर्वेद' के आगमन पर परंपरा, आस्था और उत्साह का अद्भुत संगम नजर आया। पूरनदर चौहान व सब्या देवी चौहान के सुपुत्र मनोज चौहान (प्रबंधक, कंठीपाली) एवं अग्नि देवी चौहान के घर जन्मे द्वितीय सुपुत्र 'निर्वेद' के छठ्ठी एवं नहान-प्रसन्न कार्यक्रम का आयोजन पूरे रीति-रिवाज और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। पूजा-अर्चना के साथ जब नन्हे बालक का स्नान संस्कार हुआ, तो घर-आंगन में मंगल गीतों और आशीर्वादों की गूंज सुनाई दी। परिजनों और ग्रामीणों ने मिलकर इस पावन क्षण को यादगार बना दिया। कार्यक्रम के दौरान प्रसाद वितरण के साथ-साथ आत्मीयता और अपनत्व का अनोखा दृश्य देखने को मिला। हर कोई इस नन्हे जीवन के स्वागत में भाव-विभोर नजर आया। उत्साह ऐसा कि गांव बना परिवार, और परिवार बना उत्सव इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने बालक 'निर्वेद' के स्वस्थ, समृद्ध और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए चौहान परिवार को ढेरों शुभकामनाएं दीं। नन्हे कदमों की आहट ने एक बार फिर साबित कर दिया जहां जीवन मुस्कुराता है, वहीं असली उत्सव जन्म लेता है।

# भद्रा रीवापार समूह जलप्रदाय योजना के फील्ड पर उतरे कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे

## भाठागांव में जल जीवन मिशन की हुई जांच: हितग्राही के घर पहुंचकर नल जल आपूर्ति का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

### रामभाठा गांव में इंटेकवेल वॉटर प्लांट को 30 मई तक पूरा करने के निर्देश

### मिरोनी बैराज कार्य में देरी पर ठेकेदार को नोटिस व पेनाल्टी के आदेश

**सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका**

महावीर जयंती पर कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने जिले के विभिन्न ग्रामों, रामभाठा, कोसीर, भाठागांव एवं भद्रा का औचक निरीक्षण कर शासकीय योजनाओं और निर्माण कार्यों की जमीनी हकीकत को जाना। इस दौरान उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों, जल जीवन मिशन तथा निर्माणाधीन परियोजनाओं का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। जल जीवन मिशन के तहत नल-जल योजना की स्थिति का जायजा लेते हुए कलेक्टर ने मोटर चालू कर पानी की आपूर्ति जांची। उन्होंने सहनू दास के घर जाकर स्वयं पानी की उपलब्धता की पुष्टि की। ग्रामीणों ने बताया कि पूर्व में दूर से पानी लाना पड़ता था, लेकिन अब घर-घर पानी पहुंच रहा है। कलेक्टर ने ग्राम सरपंच को नियमित कर वसूली, मोटर खराब होने पर शीघ्र मरम्मत तथा पंप ऑपरेटर की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ग्राम कोसीर में 16 लाख रुपये की लागत से निर्माणाधीन चेकडेम का निरीक्षण किया गया। भाठागांव में निर्माणाधीन इंटेक वॉटर फिल्टर प्लांट का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने कार्य की धीमी गति पर नाराजगी व्यक्त की और 30 मई तक कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही लेबर बढ़ाने एवं स्थानीय मजदूरों को प्राथमिकता देने को कहा। वहीं ग्राम भद्रा के मिरोनी बैराज में इंटेक निर्माण कार्य की अत्यंत धीमी प्रगति पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने पीएचई विभाग को नोटिस जारी कर पेनाल्टी लगाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं।

### आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण

ग्राम रामभाठा के आंगनबाड़ी केंद्र में कलेक्टर ने गंभीर कुपोषित बच्चों एवं गर्भवती माताओं की जानकारी ली। परियोजना अधिकारी ने बताया कि केंद्र को मॉडल आंगनबाड़ी के रूप में विकसित किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान बच्चों ने पढ़ाई का प्रदर्शन किया, जिसमें बच्ची खुशी ने एबीसीडी और अन्य बच्चों ने पहाड़ा सुनाया। कलेक्टर ने वजन मशीन चेक किया, रेडी-टू-ईट खाद्य सामग्री की गुणवत्ता तथा किचन व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। आंगनबाड़ी केंद्र में नल कनेक्शन लगाने का निर्देश दिए है। कोसीर के आंगनबाड़ी केंद्र में 32 बच्चे उपस्थित मिले, जो भोजन कर रहे थे। यहां 6 गर्भवती महिलाएं पंजीकृत हैं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता माधुरी कुर्रे द्वारा केंद्र की जानकारी दी गई।

### कुशलाई दाई का दर्शन

कलेक्टर ने प्रसिद्ध कुशलाई दाई मंदिर में दर्शन कर क्षेत्र का भ्रमण किया। उन्होंने 54 एकड़ में फैले बंधवा तालाब का पैदल निरीक्षण कर उसकी स्थिति का जायजा लिया।

# अग्निवीर थलसेना हेतु ऑनलाईन आवेदन की अंतिम तिथि 1 अप्रैल

**सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका**

भारतीय थल सेना द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के अविवाहित उम्मीदवारों के लिए अग्निवीर सैनिक के विभिन्न पदों पर भर्ती हेतु ऑनलाईन पंजीयन व आवेदन आमंत्रित की गई है। भर्ती के लिए इच्छुक एवं पात्र उम्मीदवार 1 अप्रैल 2026 तक थलसेना के वेबसाईट ज्वाइन इंडियन आर्मी डॉट एनआईसी डॉट इन (222.द्धश्वद्बठ्ठद्बठ्ठस्त्रद्बड्डठ्ठड्डद्ध4.ठ्ठद्ब.द्बठ्ठ) के माध्यम से ऑनलाईन पंजीयन व आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। अग्निवीर सैनिक भर्ती अंतर्गत जनरल ड्यूटी तकनीकी, ऑफिस असिस्टेंट, ट्रेडमैन, महिला सैन्य पुलिस एवं नियमित कैडर भर्ती, धर्म गुरू, नर्सिंग सहयोगी तथा हवलदार एसएसी के पदों भर्ती की जाएगी। जिसके लिए ऑनलाईन परीक्षा का आयोजन जून 2026 में संभावित है। भर्ती के लिए उम्मीदवार की आयु साढ़े 17 वर्ष से 21 वर्ष तथा शैक्षणिक योग्यता किसी भी मान्यता प्राप्त केन्द्रीय व राज्यकीय शिक्षा बोर्ड व संस्था से कक्षा 8वीं, 10वीं या 12वीं, आटीआई, इंजीनियरिंग डिप्लोमा उत्तीर्ण होना चाहिए। उम्मीदवार की ऊंचाई, वजन, सीना विभिन्न पदों हेत अलग-अलग है। अग्निवीर ऑफिस असिस्टेंट हेतु ऑनलाईन परीक्षा के समय टाईपिंग टेस्ट भी देना होगा। उम्मीदवार को चयन हेतु कम्प्यूटर आधारित ऑनलाईन लिखित परीक्षा, शारीरिक दक्षता परीक्षा एवं चिकित्सा परीक्षा उत्तीर्ण करना होगा। भर्ती की विस्तृत जानकारी थल सेना के वेबसाईट सेना भर्ती कार्यालय शहीद वीर नारायण क्रिकेट स्टेडियम के पास नवा रायपुर के दूरभाष क्रमांक 0771-2965212, 2965214 तथा कार्यालय जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र के अधिकारी रामजीत राम से मोबाइल नंबर 9424184279 से प्राप्त कर सकते हैं ।

# इन ग्रामों में होगा 1 अप्रैल को राजस्व शिविर, राजस्व कार्यों जैसे सीमांकन, अविवादित नामांतरण, बंटवारा, त्रुटि सुधार का होगा निराकरण

**सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका**

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने दिशा निर्देश पर जिले में अप्रैल, मई और जून माह में राजस्व प्रकरणों के निराकरण हेतु सभी ग्राम पंचायतों में राजस्व शिविर का आयोजन किया जायेगा। 1 अप्रैल को राजस्व शिविर की शुरुआत की जा रही है उसमें

सारंगढ़ तहसील के ग्राम घठुला छोटे, भेड़वन, हिच्छा, जेवरा बरमकेला तहसील के ग्राम चांटीपाली, कुम्हारी, सकरतुंगा, बरमकेला, बड़े नवापारा, करनपाली, बोईरडीह, घोघरा, सरिया. तहसील के ग्राम मानिकपुर, कटंगपाली-अ, पंचधार, कण्डोला, बिलाईगढ़ तहसील के ग्राम टुण्डरी, सलिहा भटगांव तहसील के ग्राम चिकनीडीह, सलौनीकला, जमगहन, जोरा, ओटगन, रिकोटार, सरसींवा तहसील के ग्राम बेंगपाली, बालपुर, झुमका, पिकरीपाली और कोसीर उप तहसील के ग्राम भदरा शामिल हैं।

इस शिविर में छोटे छोटे राजस्व प्रकरण, सीमांकन, अविवादित नामांतरण, बंटवारा, त्रुटि सुधार, जाति, आय, निवास प्रमाण पत्र, ऋष्ा पुस्तिका आदि के लिए आम जनों को भटकना न पड़े। साथ ही इस राजस्व शिविर का पर्याप्त प्रचार प्रसार कोटवारों के माध्यम से मुनादी करके करने के निर्देश दिए जा रहे हैं ताकि जिस दिन शिविर हो, वहां स्थानीय लोग इसका लाभ लेते हुए अपने राजस्व मामलों का अधिक से अधिक मात्रा में निराकरण करा सकें।

# नक्सलमुक्त छत्तीसगढ़ गढ़ेगा विकास का स्वर्णिम भविष्य : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

## उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने दी ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई

**रायपुर/मूक पत्रिका**

छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद की समाप्ति की दिशा में मिली ऐतिहासिक सफलता के बीच बीते मंगलवार को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से उनके नवा रायपुर स्थित निवास कार्यालय में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर शर्मा ने मुख्यमंत्री को नक्सलवाद के खात्मे की दिशा में मिली इस बड़ी उपलब्धि पर बधाई देते हुए पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया।इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि नक्सलमुक्त छत्तीसगढ़ अब विकास, विश्वास और समृद्धि के नए युग की ओर अग्रसर होगा। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद वर्षों तक प्रदेश की प्रगति में सबसे बड़ी बाधा बना रहा और विशेष रूप से बस्तर अंचल लंबे समय तक लाल आतंक के साये में रहा।मुख्यमंत्री ने कहा कि अब परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं और नक्सल प्रभावित सभी क्षेत्रों में विकास की मुख्यधारा मजबूत हो रही है। बस्तर सहित पूरे प्रदेश में शांति, सुरक्षा और विकास का नया वातावरण तैयार हो रहा है, जिससे आमजन के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।मुख्यमंत्री साय ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प, स्पष्ट नीति और प्रभावी रणनीति को दिया। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में भयमुक्त और सुरक्षित छत्तीसगढ़ का सपना आज साकार हो रहा है।मुख्यमंत्री ने नक्सलवाद के विरुद्ध अभियान में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर जवानों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी शहादत ने इस सफलता की नींव रखी है। उन्होंने सुरक्षाबलों के अदम्य साहस, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनके अथक प्रयासों का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि नक्सलमुक्त वातावरण में अब छत्तीसगढ़ तेज गति से विकास के नए सोपान गढ़ेगा और देश के अग्रणी राज्यों में अपनी सशक्त पहचान स्थापित करेगा।

# एसडीएम प्रफुल्ल रजक ने अवैध खनिज उत्खनन और परिवहन में संलिप्त 13 ट्रेक्टर और 1 हाईवा पकड़ा

### पीएम आवास निर्माण से जुड़े कोई दस्तावेज नहीं पाए जाने पर सभी वाहन थाना में सुपुर्द

**सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका**

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डॉ संजय कन्नौजे के दिशा निर्देश पर बिलाईगढ़ के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व प्रफुल्ल रजक ने अपने क्षेत्र में अवैध रूप से खनिज उत्खनन, भंडारण और परिवहन में संलिप्त वाहनों पर चौतरफा कार्यवाही किया है।

ग्राम बेलटिकरी में पत्थर के अवैध उत्खनन कर लोड करते हुए कुल 6 ट्रैक्टर को जब्त किया गया। इन सभी वाहनों को बिलाईगढ़ थाना को अभिरक्षा में दिया गया है। इसी प्रकार सरसींवां के नजदीक पेंड्रावन में रेती का अवैध परिवहन करते कुल 06 ट्रैक्टर्स को जब्त किया गया।जब्ती के दौरान इन वाहनों के पास पीएम आवास या अन्य वैध दस्तावेज नहीं थे। वहीं भटगांव में रेती का अवैध परिवहन करते जब्त वाहनों 1 हाइवा और 1 ट्रैक्टर को जब्त कर थाना भटगांव को अभिरक्षा में दिया गया। जब्ती के दौरान इन सभी वाहनों के पास पीएम आवास या अन्य कोई वैध दस्तावेज नही थे।

## कैलाश पण्डा बोले- प्रशिक्षण नहीं, यह वैचारिक क्रांति का महाअभियान है

# विचारों की धार से जीतेंगे हर बूथ: प्रशिक्षण बना भाजपा की असली ताकत

**सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका**

राजनीति केवल चुनाव जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि विचारों की लड़ाई हैज और इस लड़ाई को जीतने के लिए जरूरी है मजबूत सोच, अनुशासन और सतत प्रशिक्षण। इसी मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान-2026 के अंतर्गत सारंगढ़ और बिलाईगढ़ विधानसभा क्षेत्रों में एक भव्य एवं ऊर्जावान प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहां कार्यकर्ताओं में जोश, जुनून और संगठन के प्रति समर्पण साफदेखने को मिला।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश पण्डा ने अपने ओजस्वी और प्रेरणादायी शब्दों से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार कर दिया। उन्होंने कहा—÷प्रशिक्षण केवल सीखने की प्रक्रिया नहीं है, यह एक ऐसा अनुष्ठान है जो कार्यकर्ता के भीतर छिपी वैचारिक शक्ति को जागृत करता है, उसे निखारता है और उसे संगठन के लिए अडिग योद्धा बनाता है।÷

### बूथ मैनेजमेंट: जीत की असली कुंजी

अपने संबोधन में कैलाश पण्डा ने स्पष्ट किया कि किसी भी चुनाव की असली लड़ाई बूथ स्तर पर लड़ी जाती है।÷अगर बूथ मजबूत है, तो जीत निश्चित है। बूथ ही संगठन की रीढ़ है और कार्यकर्ता उसकी आत्मा।÷÷बूथ मैनेजमेंट÷ पर विस्तार से चर्चा करते हुए उन्होंने कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी, अनुशासन और सतत सक्रियता का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि हर कार्यकर्ता को अपने बूथ को परिवार की तरह समझना होगा, तभी संगठन अजेय बनेगा।

### मन की बात से जन-जन तक संवाद

प्रशिक्षण के दौरान ÷मन की बात÷ विषय पर भी विशेष चर्चा की गई। कैलाश पण्डा ने कहा कि यह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है।उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे इसे घर-घर तक पहुंचाकर समाज के हर वर्ग को जोड़ने का काम करें।

### भाजपा: विचार और संगठन का विराट स्वरूप

कैलाश पंडा ने अपने उद्बोधन में उन्होंने गर्व के साथ कहा कि भारतीय जनता पार्टी आज विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है, और इसका श्रेय केवल नेतृत्व को नहीं बल्कि उन करोड़ों निष्ठावान कार्यकर्ताओं को जाता है, जो दिन-रात राष्ट्र निर्माण में जुटे हुए हैं। ÷भाजपा केवल एक पार्टी नहीं, यह एक विचारधारा हैज एक परिवार हैज एक राष्ट्र निर्माण का संकल्प है।÷

### कार्यकता: संगठन की असली ताकत

कैलाश पण्डा ने कार्यकर्ताओं को संगठन की नींव बताते हुए कहा—÷कार्यकर्ता ही पार्टी की असली ताकत हैं। उनके बिना संगठन केवल एक ढांचा है, लेकिन कार्यकर्ताओं के साथ वही ढांचा एक मजबूत किला बन जाता है।÷ उन्होंने जोर देते हुए कहा कि पार्टी के विचार ही कार्यकर्ताओं के प्राण हैं, और इन्हीं विचारों के बल पर भाजपा हर चुनौती का सामना करती है।

### प्रशिक्षण से तैयार होते हैं अजेय योद्धा

कार्यक्रम के अंत में उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण शिविर केवल जानकारी देने के लिए नहीं होते, बल्कि यह कार्यकर्ताओं को मानसिक, वैचारिक और संगठनात्मक रूप से मजबूत बनाने का माध्यम हैं।÷यही प्रशिक्षण हमें बूथ स्तर पर अजेय बनाता हैज यही हमें हर चुनौती के सामने अडिग खड़ा रखता हैज और यही हमें राष्ट्र सेवा के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।÷ सारंगढ़ और बिलाईगढ़ में आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि संगठन की शक्ति, कार्यकर्ताओं के उत्साह और विचारों की मजबूती का जीवंत उदाहरण बनकर सामने आया। यहां से निकला हर कार्यकर्ता अब केवल समर्थक नहीं, बल्कि एक जागरूक, प्रशिक्षित और समर्पित राष्ट्रनिर्माता बनकर अपने-अपने क्षेत्र में परिवर्तन की नई कहानी लिखने को तैयार है।

# इस्राइली राडार केंद्र और हवाई अड्डे पर ईरान का हमला; एक और फलस्तीनी कैदी की मौत

**तेहरान, एजेंसी।** पश्चिम एशिया का युद्धक्षेत्र दिन-ब-दिन और भयानक होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से क्षेत्र में आग का तूफान है। दूसरी ओर ईरान ने भी खाड़ी देशों मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों और इस्राइल में भयंकर और सटीक हमला कर चारों तरफ धुंआ-धुंआ कर रखा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब 30वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव और भय का माहौल काबू से बाहर है।

तेहरान के उत्तर भाग में हाल ही में कई बड़े धमाके सुने गए। पहाड़ी इलाके से धुआं उठता देखा गया है, हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं कि किस लक्ष्य को निशाना बनाया गया। इसके अलावा, कराज शहर में भी कई धमाके सुने गए। यह क्षेत्र सैन्य प्रतिष्ठानों के लिए जाना जाता है, लेकिन कुछ नागरिक स्थल भी प्रभावित हुए होने की आशंका है। संयुक्त अरब अमीरात के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उनकी वायु सुरक्षा बल मिसाइल और ड्रोन हमलों के खतरे का सक्रिय रूप से मुकाबला

कर रही हैं। देशभर में जो आवाजें सुनाई दे रही हैं, वे सक्रिय सुरक्षा ऑपरेशन की कार्रवाई हैं। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच इस्राइल ने ईरानी मिसाइल को सफलतापूर्वक रोकने की खबर सामने आई है। चैनल 12 के अनुसार, इजरायली सैन्य बलों ने मिसाइल को इंटरसेप्ट किया, जिसके कारण दक्षिण इस्राइल के नेगेव और डेड सी क्षेत्रों में एयर रैप्ट की चेतावनी बज उठी। ईरान ने इस्राइली राडार केंद्र और हवाई अड्डे को हमले में निशाना बनाया ईरानी प्रेस टीवी ने शनिवार को इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ईरानी सेना और तेहरान के मध्यपूर्वी सहयोगियों द्वारा किए गए हमलों के विभिन्न ठिकानों की जानकारी दी। टीवी ने बताया कि ढ्ढक्रत्ञ्ष्ट ने ÷लॉन्ग-रेंज और मीडियम-रेंज ठोस और तरल ईंधन वाले सिस्टम और हमलावर ड्रोन का इस्तेमाल करके इस्राइल और अन्य स्थानों में इस्राइली-अमेरिकी विरोधी उद्योगों को निशाना बनाया।÷ ढ्ढक्रत्ञ्ष्ट ने दावा किया कि उसने एक अमेरिकी रूक्त9 ड्रोन को मार गिराया और एक स्न-16 लड़ाकू विमान को निशाना बनाया।

**इस्राइली हिरासत में एक और फलस्तीनी कैदी की मौत:** फलस्तीनी कैदियों और रिहा किए गए कैदियों के मामलों की संस्था और फलस्तीनी कैदी समाज ने बताया कि 8 जनवरी को गिरफ्तार किए गए मारवान फाथी हरज़ल्लाह की इस्राइल के मेगिडो जेल में मौत हो गई। हरज़ल्लाह उन 100 से अधिक फलस्तीनी कैदियों में शामिल हैं, जो अक्तूबर 2024 से इस्राइली जेलों और हिरासत केंद्रों में मारे गए हैं।

**हमलों से टूटी ईरान की कमर**

# रजा पहलवी ने ट्रंप को कहा शुक्रिया, बोले- होगा सत्ता का परिवर्तन

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** ईरान के निर्वासित राजकुमार रजा पहलवी ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने

कहा है कि ईरान के मौजूदा शासन को पूरी तरह से खत्म करना होगा। उनके अनुसार, सत्ता का यह बदलाव बहुत ही व्यवस्थित तरीके से होगा। पहलवी ने यह बात अमेरिका के टेक्सास में आयोजित कंजर्वेटिव पॉलिटिकल एक्शन कॉन्फ्रेंस के दौरान कही है। पहलवी ने ईरान के शासन को कमजोर करने के लिए अमेरिकी सैन्य अभियानों की जमकर तारीफ की। उन्होंने मिडनाइट हैमर और एपिक फ्यूरी जैसे अभियानों का जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि इन हमलों की वजह से ईरान की सत्ता पर काबिज लोग बहुत कमजोर हो गए हैं। पहलवी के मुताबिक, इन सैन्य कार्रवाइयों में सर्वोच्च नेता अली खामेनेई और उनके कई करीबी साथी मारे गए हैं। इसके अलावा, ईरान की 80 प्रतिशत से ज्यादा बैलिस्टिक मिसाइलों का भंडार और परमाणु ठिकाने भी नष्ट हो गए हैं। उन्होंने इन कार्रवाइयों के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी सेना का आभार जताया। पहलवी ने कहा कि ट्रंप के मजबूत इरादों और अमेरिकी सैनिकों की बहादुरी ने लाखों ईरानियों को एक मौका दिया है। अब वे दशकों से चले आ रहे दमन और अस्थिरता को खत्म करने के लिए लड़ सकते हैं। पहलवी ने चेतावनी दी कि अगर मौजूदा शासन का थोड़ा भी हिस्सा बचा रह गया, तो खतरा कभी खत्म नहीं होगा। उन्होंने कहा कि जो लोग 47 साल से अराजकता फैला रहे हैं, उन पर शांति या सुधार के लिए भरोसा नहीं किया जा सकता। उनके अनुसार, आतंकवादी कभी शांति नहीं ला सकते। अगर उन्हें सत्ता में रहने दिया गया, तो वे केवल और ज्यादा तबाही और अस्थिरता ही लाएंगे। भविष्य की योजना के बारे में बताते हुए पहलवी ने कहा कि वह देश के भीतर और बाहर रहने वाले ईरानियों की मांग पर लोकतांत्रिक बदलाव का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं। उनकी टीम ने ईरान प्रॉस्पेरिटी प्रोजेक्ट नाम से एक विस्तृत योजना तैयार की है। यह योजना शासन गिरने के बाद के पहले 100 दिनों और देश के लंबे समय तक पुनर्निर्माण के लिए एक रोडमैप की तरह काम करेगी। वह अपना समर्थन जारी रखे। उन्होंने वाशिंगटन से कहा कि वे इस गिरते हुए शासन को कोई जीवनदान न दें। अमेरिका को चाहिए कि वह ईरानी लोगों के लिए रास्ता साफ करे ताकि वे अपना काम पूरा कर सकें। यह बयान ऐसे समय में आया है जब पश्चिम एशिया में तनाव बहुत ज्यादा है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्षेत्रीय युद्ध का खतरा बना हुआ है।

## गैलेक्सी A57 5G और A37 5G नए 'ऑसम इंटेलिजेंस' AI फीचर्स के साथ भारत में लॉन्च

**गुरुग्राम:** सैमसंग ने अपने नए स्मार्टफोन गैलेक्सी A57 5G और गैलेक्सी A37 5G को भारत में लॉन्च कर दिया है। ये डिवाइस यूज़र्स को बेहतरीन AI अनुभव, वॉइस और ट्रांसलेशन क्षमताएं और एडवांस फोटोग्राफी फीचर्स प्रदान करते हैं। ये फोन ऑन–डिवाइस प्रोसेसिंग(फोन के भीतर ही प्रोसेसिंग) को प्राथमिकता देते हैं, जिससे स्पीड, सुरक्षा और एफिशिएंसी में सुधार होता है। गैलेक्सी A57 5G और A37 5G में AI का सबसे नया और खास फीचर 'डायरेक्ट वॉइसमेल' है। अगर आप कॉल नहीं उठा पाते, तो यह सुविधा कॉलर को मैसेज छोड़ने का विकल्प देती है, और खास बात यह है कि वह मैसेज आपको बिल्कुल कॉलर की असली आवाज़ में सुनाई देता है। AI इसे तुरंत टेक्स्ट में बदल देता है और फोन में सुरक्षित सेव कर लेता है, यानी इसके लिए आपको नेटवर्क ऑपरेटर पर निर्भर रहने की ज़रूरत नहीं है। इसके साथ ही, नया एन्हांस्ड ट्रांसलेशन और ट्रांसक्रिप्शन फीचर भारत में अंग्रेज़ी, हिंदी और गुजराती भाषाओं को सपोर्ट करता है।

यह आपकी आवाज़ को टेक्स्ट में बदल देता है और तुरंत उसका अनुवाद कर देता है, ताकि यूज़र्स उसे अपनी भाषा में पढ़ सकें।

## ट्रूकॉलरः खासतौर पर भारत को ध्यान में रखकर तैयार किया गया प्रोडक्ट, जिसे आज दुनिया भर में 500 मिलियन से ज़्यादा लोग उपयोग करते हैं

**मुंबई :** दुनिया में संचार को सुरक्षित और भरोसेमंद बनाने वाले सबसे बड़े प्लेटफ़ॉर्म, ट्रूकॉलर ने आज घोषणा की है कि दुनिया भर में उसके यूजर्स की संख्या 500 मिलियन के पार पहुँच गई है। यह लोगों के बीच संचार को भरोसेमंद बनाने के कंपनी के सफ़र में एक बड़ी उपलब्धि है। इस प्लेटफ़ॉर्म पर यूज़र्स की संख्या लगातार काफ़ी तेजी से बढ़ रही है, और केवल साल 2025 में ही 50 मिलियन से ज़्यादा नए यूज़र्स इस प्लेटफ़ॉर्म से जुड़े हैं। अकेले भारत में ही ट्रूकॉलर का उपयोग करने वालों की संख्या 350 मिलियन से ज़्यादा हो गई है, और भारत के बाहर इसके यूज़र्स की संख्या 150 मिलियन से ज़्यादा है। इसकी वजह है यह है कि, आज दुनिया भर में अनचाही कॉल्स, स्पैम और धोखाधड़ी से सुरक्षा की ज़रूरत लगातार बढ़ रही है। इस साल की शुरुआत में, दुनिया भर में भुगतान करके ट्रूकॉलर की सेवाओं का लाभ उठाने वाले सब्सक्राइबर्स की संख्या भी 4 मिलियन के आंकड़े को पार कर गई, जिससे कंपनी की आमदनी का एक मुख्य जरिया और भी मज़बूत हुआ है। इस मौके पर ट्रूकॉलर के सीईओ, ऋषित झुनझुनवाला ने कहा, वैसे तो यह हमारे लिए एक बड़ी उपलब्धि है, लेकिन यह उस दुनिया के बारे में भी बहुत कुछ बयां करता है, जिसमें आज हम सब रह रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, आज हर दिन ज़्यादा से ज़्यादा लोगों को स्पैम, स्कैम और अनचाहे संचार से निपटने में मदद की ज़रूरत है। 500 मिलियन यूज़र्स के आंकड़े से जाहिर है कि लोगों को इसकी कितनी ज़्यादा ज़रूरत है। साथ ही इसे यह भी पता चलता है कि लोग अपने संचार को सुरक्षित बनाने के लिए लोग ट्रूकॉलर पर कितना भरोसा करते हैं। ट्रूकॉलर को लगातार और भी ज़्यादा स्मार्ट टेक्नोलॉजी और नई खूबियों के साथ मज़बूत बनाना ही हमारा संकल्प है, जो यूज़र्स को हर कॉल या मैसेज से पहले, उसके दौरान और उसके बाद भी सुरक्षित रहने में मदद कर सके। आखिर में, हमारा लक्ष्य संचार का ऐसा माहौल तैयार करना है जो सभी के लिए एक ज़्यादा सुरक्षित और भरोसेमंद हो। अब हमारी निगाहें अगले पड़ाव पर टिकी हैं: और हम 1 बिलियन यूज़र्स तक पहुँचना चाहते हैं। आज हर महीने आधे बिलियन से भी ज़्यादा लोग इस प्लेटफ़ॉर्म का इस्तेमाल कर रहे हैं, और इसी वजह से ट्रूकॉलर अब सिर्फ़ एक कॉलर आइडेंटिफ़िकेशन ऐप नहीं रह गया है। यह आज के डिजिटल जमाने में सुरक्षित तरीके से संचार का सबसे ज़रूरी हिस्सा बन गया है। यह रोज़मर्रा के इस्तेमाल का एक ऐसा सुरक्षा कवच बन गया है, जो लोगों को दूसरों की पहचान वेरिफ़ाई करने, धोखाधड़ी से बचने और इस बारे में सोच–समझकर फ़ैसले लेने में मदद करता है कि उन्हें किससे बात करनी चाहिए और किससे नहीं। आज, ट्रूकॉलर ने दुनिया भर में बहुत ही उपयोगी डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के तौर पर अपनी पहचान बनाई है, जो करोड़ों लोगों की रोज़मर्रा की बातचीत की आदतों का एक अहम हिस्सा बन चुका है।

# हमारी कार्रवाई से और तेज होगा आईडीएफ का पतन

## सैनिकों की कमी से जूझ रहे इस्राइल को ईरान की खुली धमकी

**तेहरान, एजेंसी।** पश्चिम एशिया में जंग का दायरा खतरनाक स्तर तक फैल चुका है। अमेरिका और इस्राइल के हमलों के बीच ईरान भी आक्रामक रुख अपनाए हुए है। ऐसे में बड़ा सवाल है, क्या यह संघर्ष और भयानक होने वाला है? क्या वाकई में इस्राइल सेना की कमी से जुझ रहा है? और क्या ईरान की रणनीति हालात को पूरी तरह बदल सकती है? पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-ब-दिन और भयानक होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से क्षेत्र में आग का तूफान है। दूसरी ओर ईरान ने भी खाड़ी देशों मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों और इस्राइल में भयंकर और सटीक हमला कर चारों तरफ धुंआ-धुंआ कर रखा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब 30वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव और भय का माहौल काबू से बाहर है। इसी बीच अब ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर

गालिबाफ ने इस्राइल को कड़ी चेतावनी देते हुए बड़ा बयान दिया है। शनिवार को गालिबाफ ने कहा कि इस्राइल के खिलाफ ईरान की जवाबी कार्रवाई उसकी सेना के पतन को और तेज कर देगी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में उन्होंने आरोप लगाया कि इस्राइल अपनी सेना की आंतरिक कमजोरियों को छिपाने के लिए तनाव बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि ईरान के औद्योगिक ठिकानों पर हमले करके इस्राइल अपने लोगों और सरकार का भरोसा वापस लाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन ऐसा करना उसके लिए उल्टा साबित होगा।

अपने बयान में गालिबाफ ने इस्राइल के सेना के प्रमुख एयाल जमीर के हालिया बयान का जिक्र करते हुए यह भी कहा कि ईरान की प्रतिक्रिया केवल जवाबी नहीं होगी, बल्कि एक सोची-समझी रणनीति के तहत होगी, जो इस्राइल की रक्षा व्यवस्था की कमजोरियों को निशाना बनाएगी। बता दें कि गालिबाफ का यह बयान इस्राइल की सेना के प्रमुख एयाल जमीर की हालिया चेतावनी के बाद आया है। इस्राइली सरकार को बताया कि सेना पर भारी दबाव है और अगर जल्द कदम नहीं उठाए गए, तो इस्राइली सेना अंदर से टूट सकती है।

इतना ही नहीं जारी संघर्ष के बीच इस्राइली सेना प्रमुख ने एयाल जमीर ने सरकार से नए भर्ती कानून, रिजर्व ड्यूटी से जुड़े नियम और अनिवार्य सैन्य सेवा की अवधि बढ़ाने की मांग की है। गौरतलब है कि 2023 अक्तूबर के बाद शुरू हुए गाजा युद्ध के कारण इस्राइल की सेना पर लगातार दबाव बढ़ा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, सेना इस समय करीब 12,000 सैनिकों की कमी से जूझ रही है। दूसरी ओर करीब 80000 अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स युवा सेना में भर्ती के योग्य हैं।

# तल्खी बढ़ने की आशंका के बीच करीब आए भारत-बांग्लादेश; खालिदा जिया से अलग तारिक रहमान का रुख

**ढाका, एजेंसी।** भारत-बांग्लादेश के संबंधों में सुधार दिख रहा है। नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने एक तरफ जहां जनसंहार दिवस पर पाकिस्तान को लताड़ा है, वहीं हालिया विवादों को खत्म करते हुए अपने देश में आईपीएल के प्रसारण पर लगी रोक को हटा दिया है। तारिक रहमान का ये रुख पूरी तरह उनकी मां खालिदा जिया के उलट हैं।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के 18 महीने के कार्यकाल में भारत से रिश्तों में आई तल्खी इसी साल फरवरी महीने में आम चुनाव के नतीजे आने के बाद और बढ़ने की आशंका जताई जा रही थी। कारण था पाकिस्तान का करीबी और भारत से दूरी बनाए रखने वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की जीत। हालांकि पूर्वानुमानों और आशंकाओं के उलट भारत और बांग्लादेश के बीच दूरी की जगह करीबी बढ़ रही है। प्रधानमंत्री तारिक रहमान की जनसंहार दिवस पर पाकिस्तान को खरी-खरी, आईपीएल प्रसारण पर लगा प्रतिबंध हटना और विदेश मंत्री खलील उर रहमान का भारत दौरा तय होना बता रहा है कि बांग्लादेश अंतरिम सरकार के दौरान ठंडे पड़े द्विपक्षीय रिश्तों में गर्माहट लाना चाहता है। खासकर पीएम तारिक का 1971 में पाकिस्तानी सेना के कत्लेआम पर अपनी ही पार्टी से अलग रुख अपनाना चर्चा का विषय बना हुआ है। गौरतलब है कि रहमान ने इस संगठित हत्याकांड का प्रतिरोध नहीं करने पर तत्कालीन

पाकिस्तान सरकार की भूमिका पर सवाल उठाया। इतना ही नहीं नरसंहार दिवस के जरिये वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों को स्वतंत्रता के मूल्य और महत्व समझाने पर जोर भी दिया। दरअसल सत्ता में आने के बाद जब शेख हसीना सरकार ने जनसंहार की जांच शुरू की तब बीएनपी ने इसे राजनीति प्रेरित बताते हुए इसका विरोध किया था। तब बीएनपी की कमान वर्तमान पीएम तारिक की दिवंगत मां और पूर्व पीएम खालिदा जिया के हाथों में थी। इतना ही नहीं 1991 से 1996, 2001 से 2006 तक पीएम रहने के दौरान खालिदा ने भारत पर पाकिस्तान को तरजीह दी। बांग्लादेश की जमीन के दुरुपयोग की भारत की चिंता को भी दूर करने की कोशिश की गई है। माह की शुरुआत में बांग्लादेश डायरेक्टर जनरल ऑफ फोर्सेज इंटेलिजेंस मेजर जनरल राशिद चौधरी की रॉ प्रमुख पराग जैन और अपने समकक्ष लेफ्टिनेंट जनरल आर. एस. रमन के साथ अहम बैठक हुई थी।

फिलहाल संबंधों में सुधार की इस कड़ी में सबकी निगाहें 7 अप्रैल को भारत दौरे पर आ रहे बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलील उर रहमान पर है। इस दौरे से पूर्व दोनों देशों के बीच राजनयिक स्तर की तल्खी खत्म हो चुकी है। वीजा सेवाएं शुरू हो गई हैं। पश्चिम एशिया संकट के दौरान भारत ने बांग्लादेश को ऊर्जा संकट से निपटने में मदद की है। ऐसे में रहमान के भारत दौरे में दोनों देशों के बीच सीधी उड़ान सहित कई मामले में आगे बढ़ने पर सहमति बन सकती है।

दरअसल बांग्लादेश के पास भारत से अपने ऐतिहासिक, आर्थिक और भौगोलिक संबंधों का विकल्प नहीं है। अंतरिम सरकार के दौरान भारत विरोधी गतिविधि की कीमत बांग्लादेश कई मोर्चे पर भुगत चुका है। फिर दोनों देशों के बीच गंगा नदी संधि की मियाद भी इस साल दिसंबर में खत्म हो रही है। ऐसे में संकेत है कि बांग्लादेश शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग से पहले अपने आर्थिक हित को तरजीह देना चाहता है।

**● अमेरिका में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा**

# युद्ध में सब कुछ हो रहा तबाहः तेहरान यूनिवर्सिटी पर हमले के बाद तनाव

**तेहरान, एजेंसी।** पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने अमेरिका और इस्राइल से जुड़े विश्वविद्यालयों को लेकर बड़ा और सख्त बयान जारी किया है। आईआरजीसी ने चेतावनी दी है कि क्षेत्र में स्थित अमेरिकी और इस्राइली विश्वविद्यालय अब वैध निशाना बन सकते हैं। ईरानी सरकारी मीडिया आईआरआईबी के अनुसार, ने आरोप लगाया कि अमेरिका और इस्राइल ने हाल के दिनों में ईरान के शैक्षणिक संस्थानों और सांस्कृतिक ढांचे को निशाना बनाया है। अपने बयान में दावा किया कि तेहरान स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पर बमबारी की गई। संगठन ने इसे बार-बार किया जा रहा हमला बताते हुए अमेरिकी-इस्राइली ताकतों पर गंभीर आरोप लगाए। बयान में कहा गया कि यदि यह हमले नहीं रुके, तो पश्चिम एशिया में स्थित अमेरिकी और इस्राइली विश्वविद्यालयों को निशाना बनाया जा सकता है। आईआरजीसी ने इन विश्वविद्यालयों के छात्रों, शिक्षकों

और आसपास रहने वाले लोगों को भी चेतावनी दी है। संगठन ने सलाह दी है कि लोग इन परिसरों से कम से कम एक किलोमीटर की दूरी बनाए रखें, ताकि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इसके साथ ही आईआरजीसी ने अमेरिका से मांग की है कि वह 30 मार्च (तेहरान समय) तक ईरानी विश्वविद्यालयों पर हमलों की निंदा करे, अन्यथा जवाबी कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा और संस्कृति पर हमला ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बकाई ने भी अमेरिका और इस्राइल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देश जानबूझकर ईरान के वैज्ञानिक ढांचे और सांस्कृतिक विरासत को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने इस्फहान यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी और तेहरान की यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी का उदाहरण देते हुए कहा कि पिछले 30 दिनों में कई शैक्षणिक और शोध संस्थानों पर हमले हुए हैं। खिलाफ चलाए जा रहे सैन्य अभियान का असली उद्देश्य उसके वैज्ञानिक और बौद्धिक ढांचे को कमजोर करना है। वहीं, परमाणु कार्यक्रम को लेकर दिए जा रहे तर्कों को उसने झूठा बहाना करार दिया।

# नरक में स्वागतः अमेरिकी सैनिकों की तैनाती पर ईरानी मीडिया की चेतावनी; लिखा- जो भी ईरान आएगा ताबूत में लौटेगा

**तेहरान, एजेंसी।** पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य बलों की बढ़ती तैनाती के बीच, ईरानी अंग्रेजी अखबार तेहरान टाइम्स ने वॉशिंगटन को चेतावनी भरा संदेश दिया है। अखबार ने शनिवार के अंक के पहले पृष्ठ पर बड़े अक्षरों में लिखा वेलकम टू हेल और चेताया कि जो भी अमेरिकी सैनिक इरानी क्षेत्र में प्रवेश करेंगे, वे सिर्फ ताबूत में लौटेंगे। अखबार की चेतावनी के ठीक समय पर लगभग 3,500 अमेरिकी मरीन सैनिक पश्चिम एशिया में अमेरिका के सेंट्रल कमांड क्षेत्र में तैनात किए गए। मरीन सैनिक त्रिपोली के जरिए जापान से रवाना किए गए, जो अमेरिका के सबसे बड़े अम्फीबियस असॉल्ट जहाजों में से एक है। यह कदम पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य शक्ति बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह तैनाती खर्ग द्वीप को कब्जे में लेने के लिए अमेरिकी ऑपरेशन की तैयारी हो सकती है। यह द्वीप रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है और इसी महीने पहले भी ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के तहत इसका निशाना बनाया गया था। अमेरिकी बलों ने अब तक 11,000 से अधिक लड़ाकू उड़ानों को

अंजाम दिया है और 150 से अधिक ईरानी जहाजों को क्षतिग्रस्त या नष्ट किया गया है। तेहरान टाइम्स की यह चेतावनी अमेरिकी सैनिकों और वॉशिंगटन प्रशासन के लिए सीधे संदेश की तरह है। अखबार ने स्पष्ट किया कि इरानी क्षेत्र में कोई भी अमेरिकी हस्तक्षेप भारी नुकसान का सामना करेगा। विशेषज्ञ मानते हैं कि इस चेतावनी और सैनिकों की बढ़ती तैनाती से पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ सकता है।,

# ईरान का बहरीन के एल्युमिनियम प्लांट पर हमला

## दो कर्मचारी घायल; आईआरजीसी ने ली जिम्मेदारी

**मनामा, एजेंसी।** बहरीन की प्रमुख औद्योगिक कंपनी एल्युमिनियम बहरीन (अल्बा) ने रविवार को पुष्टि की कि उसके औद्योगिक संयंत्र को शनिवार को हुए हमले में निशाना बनाया गया। इस घटना में कंपनी के दो कर्मचारियों को मामूली चोटें आई हैं। बहरीन न्यूज एजेंसी के मुताबिक, कंपनी ने अपने बयान में कहा कि कर्मचारियों की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और घायल कर्मचारियों को तत्काल चिकित्सा सहायता दी गई है। कंपनी ने यह भी बताया कि फिलहाल प्लांट को हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। साथ ही, संचालन को सामान्य बनाए रखने और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास जारी हैं। अल्बा के बयान में कहा गया कंपनी के कर्मचारियों की सुरक्षा हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है और इस हमले में हमारे दो कर्मचारी घायल हुए हैं। कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया कि जैसे-जैसे नई जानकारी सामने आएगी, उसे साझा किया जाएगा। इस बीच, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है।

ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार, आईआरजीसी ने दावा किया कि उसने बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात में स्थित प्रमुख औद्योगिक इकाइयों को निशाना बनाया। आईआरजीसी के बयान में कहा गया कि उसकी एयरोस्पेस और नौसेना बलों ने मिसाइल और ड्रोन के जरिए एक संयुक्त अभियान चलाया। इस अभियान में श्व के अमीरात ग्लोबल एल्युमिनियम और बहरीन के एल्युमिनियम बहरीन प्लांट को टारगेट किया गया। आरोप लगाया कि ये औद्योगिक इकाइयां अमेरिकी रक्षा और एयरोस्पेस उद्योग से जुड़ी हैं। संगठन के अनुसार, ये संयंत्र अमेरिकी सैन्य उत्पादन को अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन देते हैं। ईरान ने यह भी कहा कि यह कार्रवाई उसके औद्योगिक ढांचे पर हुए कथित अमेरिकी-जायोनीहमलों के जवाब में की गई है।

चेतावनी दी है कि उसकी जवाबी कार्रवाई आगे और भी तेज हो सकती है। इस बयान से संकेत मिल रहे हैं कि क्षेत्र में संघर्ष और बढ़ सकता है। पश्चिम एशिया में पहले से ही तनावपूर्ण स्थिति के बीच, इस तरह के हमले क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। हाल के दिनों में कई देशों में रणनीतिक ढांचों पर हमलों की खबरें सामने आई हैं, जिससे हालात और संवेदनशील हो गए हैं।

## ब्रीफ न्यूज

### आईपीएल में आज होगा गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स का मुकाबला

शाम 7.30 से से होगा मैच

**मुल्लांपुर ।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मंगलवार को गुजरात टाइटंस का मुकाबला पंजाब किंग्स से होगा। इस मैच से दोनो ही टीमें अपने अभियान को शुरु रही हैं और ऐसे में दोनो का ही प्रयास जीत हासिल करना रहेगा। गुजरात की कप्तानी शुभमन गिल जबकि पंजाब की श्रेयस अय्यर संभालेंगे। पंजाब की टीम पिछली बार श्रेयस की कप्तानी में फाइनल तक पहुंच थी, ऐसे में उनका लक्ष्य इस बार टीम को जीत दिलाना रहेगा। वहीं दूसरी और गुजरात का प्रदर्शन पिछली बार अच्छा नहीं रहा था, ऐसे में शुभमन इस बार टीम को जीत दिलाने के पूरे प्रयास करेंगे। शुभमन का लक्ष्य बेहतर बल्लेबाजी कर ये दिखाना भी रहेगा कि वह टी20 में भी एक अच्छे बल्लेबाज हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच कुल 6 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से दोनो ही टीमों ने 3-3 मुकाबले जीते हैं। पिछले सत्र में पंजाब जीती थी और इस बार गुजरात उस हार का बदला लेना चाहेगी। पंजाब को इस मैच में घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। पंजाब की बल्लेबाजी श्रेयस के अलावा प्रभसिमरन सिंह, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस और निहाल वढ़ेरा पर रहेगी। वहीं गुजरात की बल्लेबाजी शुभमन गिल के अलावा साइ सुदर्शन, जोस बटलर पर आधारित रहेगी। गुजरात ने इस बार अनुभवी ऑलराउंडर जेसन होल्डर के अलावा टॉम बैंटन, ल्यूक वुड जैसे खिलाड़ियों को भी टीम में शामिल किया। जिसका उसे कितना लाभ मिलता है ये देखना होगा। उसके पास राशिद खान जैसे स्टार स्पिनर भी हैं। 18 करोड़ रुपये और गिल को 16.5 करोड़ रुपये में रिटेन किया था।

**दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :**

**पंजाब किंग्स** : श्रेयस अय्यर (कप्तान), निहाल वढेरा, विष्णु विनोद, हरनूर पन्नू, पाइला अविनाश, प्रभसिमरन सिंह, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, हरप्रीत बरार, मार्को यानसेन, अजमतुल्लाह उमरजइ, प्रियांश आर्य, मुशीर खान, सूर्यांश शेडगे, मिच ओवेन, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, विशाख विजयकुमार, यश ठाकुर, जेवियर बार्टलेट, प्रवीण दुबे और विशाल निषाद।

**गुजरात टाइटंस** : शुभमन गिल (कप्तान), साइ सुदर्शन, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, अनुज रावत, टॉम बेंटोन, ग्लेन फिलिप्स, निशांत सिंधू, वॉशिंगटन सुंदर, मोहम्मद अरशद खान, साइ किशोर, जयंत यादव, जैसन होल्डर, राहुल तेवतिया, शाहरूख खान, कैगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुतार, गुरनूर सिंह बरार, ईशांत शर्मा, अशोक शर्मा, ल्यूक वुड, कुलवंत हेजरोलिया, राशिद खान।

### क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने केकेआर के कप्तान रहाणे के बयान पर नाराजगी जतायी

ग्रीन गेंदबाजी नहीं करेंगे की बात पहले ही बता दी थी

**सिडनी ।** क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने आईपीएल में खेल रहे ऑलरांडर कैमरुन ग्रीन के गेंदबाजी नहीं करने के मामले को लेकर कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के कप्तान आजिंक्य रहाणे पर निशाना साधा है। सीए का कहना है कि रहाणे झूठ बोल रहे हैं। साथ ही कहा है कि नीलामी के समय ही ये बात बता दी गयी थी कि ग्रीन पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण आईपीएल में शुरुआती दो सप्ताह तक गेंदबाजी नहीं कर सकेंगे। ये मामला तब उठा जब मुम्बई इंडियंस के खिलाफ पहले ही मैच में केकेआर की गेंदबाजी अच्छी नहीं होने के बाद भी ग्रीन ने एक भी ओवर नहीं किया जबकि केकेआर ने 25 करोड़ 20 लाख रुपये की बोली लगाकर ग्रीन को खरीदा था। ऐसे में ग्रीन को गेंदबाजी न देने से कई लोगों ने सवाल किये जिसपर रहाणे ने कहा कि ये बात वे सीए से ही पूछें। रहाणे के इसी बयान को लेकर सीए ने नाराजगी जतायी है।

### सैम करन बोले, कोच मैक्कुलम से उनका हुआ था टकराव

**लंदन।** इंग्लैंड क्रिकेट टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैक्कुलम और क्रिकेट डायरेक्टर रॉब की के रवैये पर एक बार फिर सवाल उठे हैं। हाल ही में लियाम लिविंगस्टोन और जॉनी बेयरस्टो ने इन दोनो की नीतियों पर सवाल उठाये थे। वहीं अब ऑलराउंडर सैम करन ने कहा है कि एक बार टीम से बाहर किये जाने पर उनका कोच से टकराव तक हो गया था। काउंटी क्रिकेट सत्र के ठीक पहले करन के आये इस बयान से साफ है कि इंग्लैंड की टीम से बाहर किए गए खिलाड़ियों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं होता है। करन ने कहा कि इसी कारण एक बार उन्होंने गुस्से में कोच से पूछ लिया कि उन्हें टेस्ट टीम से इतने लंबे समय तक बाहर क्यों रखा गया। करन एक साल से अधिक समय तक सीमित ओवर टीम से भी बाहर रहे थे।

करन ने कहा, मुझे लगता है कि यह उन चीजों में से एक है। मैं टीम से बाहर था और बस मैंने कोच से पूछा कि मुझे क्या करना है तब उन्होंने कहा कि जाओ कुछ रन बनाओ और कुछ विकेट लो। इसके बाद मैंने वही किया और इससे मुझे टीम में वापसी का अवसर मिला। मैंने इस प्रकार सही दिशा में पहल की। गौरतलब है कि कि सैम इंग्लैंड की टी20 विश्व कप की टीम में भी शामिल थे। यहां उन्होंने नेपाल के खिलाफ टीम को जीत भी दिलाई थी। पिछले सात टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 3 बार सबसे अधिक रन बनाये हैं। करन चोटिल होने के कारण इस बार आईपीएल से बाहर हैं।

# वेटरन विमंस क्लब- फुटबॉल की 'खोई हुई' पीढ़ी की वापसी

## 46 की उम्र में पहली बार पहनी किट तो छलके आंसू; खेलने से महरूम रहीं महिलाएं मैदान पर

**लंदन।** मौजूदा दौर में जब लड़कियां टीवी पर महिला वर्ल्ड कप और यूरोपियन चैम्पियनशिप जैसे बड़े फुटबॉल टूर्नामेंट देख रही हैं, तब एक पीढ़ी ऐसी भी है जिसके दिल में एक गहरी टीस है। यह उन महिलाओं की 'खोई हुई' पीढ़ी है जो 70, 80 और 90 के दशक में फुटबॉल के जुनून के साथ बड़ी तो हुई, लेकिन उन्हें खेलने का कोई मंच नहीं मिला।

अब जब यही महिलाएं 40 या 50 की उम्र पार कर चुकी हैं, तो वे अपने उस छूटे हुए ख्वाब को फिर से जी रही हैं। भावनाएं इस कदर जुड़ी हैं कि जब एक 46 साल की महिला ने जिंदगी में पहली बार पूरी किट (बूट्स, शिन पैड्स और जर्सी) पहनकर मैदान पर कदम रखा, तो आंखों से आंसू छलक पड़े। फीफा की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, 2019 के बाद से संगठित रूप से फुटबॉल खेलने वाली महिलाओं और लड़कियों की संख्या 24% बढ़कर 1.66 करोड़ के पार पहुंच गई है। 2027 तक इसे 6 करोड़ तक ले जाने का लक्ष्य है। लेकिन, ग्रासरूट लेवल पर उन महिलाओं की एक

बड़ी तादाद है, जिन्हें उनके दौर में सुविधाओं और सामाजिक नजरिए के अभाव में पीछे छोड़ दिया गया था। करीब 40-50 साल पहले, लड़कियों के लिए शौक के तौर पर भी फुटबॉल खेलना एक बड़ा संघर्ष था। जो लड़कों के साथ फुटबॉल खेलती थीं, उन्हें अक्सर 'टॉमबॉय' कहकर चिढ़ाया जाता था। स्कूलों में भी खेल बंटे हुए थे। लड़कियों को नेटबॉल और हॉकी की तरफ भेज दिया जाता था, जबकि फुटबॉल और रग्बी लड़कों के लिए आरक्षित माने जाते थे। महिलाओं की कोई स्थानीय टीम या क्लब नहीं होते थे। ऐसे में लड़कियों को ऊबड़-खाबड़ मैदानों पर लड़कों की टीमों के बीच अपना खेल साबित करना पड़ता था।

वर्षों बाद अब यह पीढ़ी अपने उस छूटे हुए खेल को दोबारा गले लगा रही है। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में 'वेटरन विमंस क्लब' बन रहे हैं, जहां उम्रदराज महिलाएं प्रतिस्पर्धी फुटबॉल खेल रही हैं। 2015 में कैरल बेट्स ने 25 से 80 साल की महिलाओं के लिए 'क्रॉली ओल्ड गर्ल्स' नाम से एक क्लब बनाया।

# राजस्थान ने जीत के साथ किया अभियान का आगाज

## सूर्यवंशी की 15 गेंद पर फिफ्टी; जडेजा, आर्चर और बर्गर को 2-2 विकेट

**गुवाहाटी।** राजस्थान रॉयल्स ने चेन्नई सुपर किंग्स पर आठ विकेट से जीत के साथ आईपीएल 2026 में शानदार शुरुआत की है।

वैभव सूर्यवंशी (52) और यशस्वी जायसवाल (38*) की तूफानी पारियों की मदद से राजस्थान रॉयल्स ने 128 रनों के लक्ष्य को 12.1 ओवर में हासिल कर लिया। इसी के साथ राजस्थान ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) पर आठ विकेट से शानदार जीत दर्ज की। सोमवार को गुवाहाटी के बारसपारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में चेन्नई ने 19.4 ओवर में 10 विकेट पर 127 रन बनाए। जवाब में राजस्थान ने 12.1 ओवर में दो विकेट पर 128 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। आईपीएल धोनी के बगैर उतरी सीएसके को आरआर ने हराया वैभव सूर्यवंशी की 15 गेंद पर फिफ्टी; जडेजा, आर्चर और बर्गर को 2-2 विकेट आईपीएल के 19वें सीजन में एमएस धोनी के बिना उतरी चेन्नई सुपर किंग्स ने हार से शुरुआत की। टीम को राजस्थान रॉयल्स ने 8 विकेट से हरा दिया। गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में सोमवार को ऋक्र ने बॉलिंग चुनी। ष्टस्य 19.4 ओवर में 127 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। ऋक्रने 12.1 ओवर में 2 ही विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

वैभव सूर्यवंशी ने महज 15 गेंद पर फिफ्टी लगा दी, वे 52 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 4 चौके और 5 छक्के लगाए। बॉलिंग में रवींद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर और नांद्रे बर्गर ने 2-2 विकेट लिए। चेन्नई से जैमी ओवरटन टॉप स्कोरर रहे, उन्होंने 43 रन बनाए। अंशुल कम्बोज को 2 विकेट मिले।

धोनी इंजर्ड होकर बाहर

सीएसके के पूर्व कप्तान एमएस धोनी इंजरी के कारण 2 सप्ताह के लिए बाहर हो गए हैं। साउथ अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस भी इंजरी के कारण 3 मैच नहीं खेल सकेंगे। ऋतुराज गायकवाड कप्तानी कर रहे हैं, वहीं संजू सैमसन को ओपनिंग पोजिशन मिली। दोनों पहले मुकाबले में 6-6 रन ही बना सके।

### यशस्वी ने विनिंग रन लिया

13वें ओवर की पहली गेंद पर यशस्वी जायसवाल ने सिंगल लिया और टीम को जीत दिला दी। वे 38 रन बनाकर नॉटआउट रहे। उनके सामने कप्तान रियान पराग ने 11 गेंद पर 14 रन बनाए।

### वैभव सूर्यवंशी ने 15 गेंद पर फिफ्टी लगाई

वैभव सूर्यवंशी ने पावरप्ले के आखिरी ओवर में फिफ्टी पूरी कर ली। उन्होंने नूर अहमद के खिलाफ लगातार 2 छक्के लगाए और महज 15 गेंद पर हाफ सेंचुरी पूरी कर ली। वैभव ने पावरप्ले में 5 छक्के लगाए। टीम ने 6 ओवर में 74 रन बनाए।

### वैभव 52 रन बनाकर आउट

7वें ओवर में राजस्थान ने पहला विकेट गंवाया। ओवर की दूसरी बॉल अंशुल कम्बोज ने ऑफ स्टंप के बाहर गुड लेंथ पर फेंकी। वैभव सूर्यवंशी ने कट शॉट खेला, लेकिन एक्स्ट्रा कवर्स पोजिशन पर सरफराज खान के हाथों कैच हो गए। वैभव ने 17 गेंद पर 52 रन बनाए। उनकी पारी में 5 छक्के और 4 चौके शामिल रहे।

### भारत की शीतल देवी को चुना गया वर्ष 2025 का सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाज

**छत्तीसगढ़ ।** भारत की शीतल देवी को विश्व तीरंदाजी ने वर्ष 2025 का सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाज चुना है। जम्मू-कश्मीर की 19 वर्षीय शीतल देवी पिछले साल दक्षिण कोरिया के ग्वांग्झू में आयोजित विश?व पैरा तीरंदाजी चैंपियनशिप में महिला कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली और एकमात्र बिना बाजू वाली तीरंदाज बनीं। उन्होंने विश्व चैंपियनशिप में महिला टीम का रजत और मिक्सड टीम का कांस्य पदक भी जीता है। शीतल ने पेरिस पैरालंपिक्स में मिक्सड टीम स्पर्धा में कांस्य, एशियाई पैरा गेम्स-2022 और एशियाई चैंपियनशिप-2023 में रजत पदक अपने नाम किया है। वर्ष 2011 में शुरू किए गए विश्व तीरंदाजी पुरस्कार, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेल में उत्कृष्टता और योगदान को सम्मानित करते हैं। पुरूष वर्ग में 'वर्ष का सर्वश्रेष्ठ तीरंदाज' तुर्कीए के एमिरकान हैनी को चुना गया। 'वर्ष का सर्वश्रेष्ठ युवा तीरंदाज' का पुरस्कार फ्रांस के बैपटिस्ट एडिस को और 'वर्ष की सर्वश्रेष्ठ टीम' का पुरस्कार कोरिया की रिकर्व पुरुष टीम ने जीता है।

### छत्तीसगढ़ में चल रहे पहले खेलो इंडिया जनजातीय खेल के छठे दिन रायपुर में तीरंदाजी, हॉकी और फुटबॉल प्रतियोगिताएं होंगी

**छत्तीसगढ़।** जबकि कुश्ती प्रतियोगिताएं सरगुजा में जारी रहेंगी। एथलेटिक्स स्पर्धाएं आज बस्तर के संभागीय मुख्यालय जगदलपुर में शुरू होंगी। कर्नाटक 15 स्वर्ण पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है। ओडिशा नौ स्वर्ण पदकों के साथ दूसरे स्थान पर है, उसके बाद अरुणाचल प्रदेश पांच स्वर्ण पदकों के साथ तीसरे स्थान पर है। खेलो इंडिया जनजातीय खेल छत्तीसगढ़ में 25 मार्च से शुरू हुआ है और 3 अप्रैल जारी रहेगा। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के तीन हजार से अधिक खिलाडी इसमें भाग ले रहे हैं।

# परिवार के दबाव में संन्यास लेते हैं खिलाड़ी : योगराज

**चंडीगढ़ ।** पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह अपने बयानों के कारण हमेशा ही विवादों में घिरे रहते हैं। अब योगराज का कहना है कि अधिकतर खिलाडियों को इसलिए संन्यास लेना पड़ता है क्योंकि उनपर परिवार का दबाव होता है। योगराज ने साफ कहा कि उम्र को खिलाड़ी के प्रदर्शन से जोड़ना गलत है। उनके अनुसार फिटनेस और प्रदर्शन के आधार पर ही किसी खिलाड़ी को आंकना चाहिये ना कि उम्र के आधार पर।योगराज ने कहा कि, भारत में लोग 40 की उम्र होते ही अपने को बूढ़ा मानने लगते हैं, वहीं महिलाएं 30 के बाद कहती हैं कि अब हम फिट नहीं रह सकते, बच्चे बड़े हो गए हैं इसलिए खेलना अब छोड़ दो पर मेरा मानना है कि खेल को उम्र से जोड़ना सही नहीं है। योगराज ने कहा कि, अक्सर घर की महिलाएं, पत्नियां आपको समझाने लगती हैं कि अब रिटायर हो जाओ, परिवार और बच्चों पर ध्यान दो जबकि मेरा मानना है कि खिलाड़ी और उसके करियर के बीच किसी को बाधक नहीं बनना चाहिए। एक खिलाड़ी जब तक फिट है खेल सकता है। योगराज ने कहा कि विराट कोहली और रोहित शर्मा को भी अभी खेलते रहना चाहिये क्योंकि अभी दोनो फिट है और इनके अंदार काफी क्रिकेट बचा हुआ है। इसलिए दोनो को ही मैदान में जमे रहकर दिखाना चाहिये कि वह दोनो अभी भी शीर्ष पर हैं।

## दर्द से निकली चमक: तीन साल की उम्र में मां का निधन, दादी की परवरिश और चाचा का त्याग

### ऐसे बना आईपीएल का नया सितारा

अनिकेत वर्मा की कहानी संघर्ष, त्याग और हिम्मत की मिसाल है। मां को खोने के दर्द से लेकर आईपीएल तक का सफर आसान नहीं था। दादी और अंकल के सहारे उन्होंने अपने सपनों को सच किया और आज वह एक उभरते सितारे बन चुके हैं।

आईपीएल के उभरते सितारे सनराइजर्स हैदराबाद के अनिकेत वर्मा की कहानी सिर्फ क्रिकेट की नहीं, बल्कि दर्द, संघर्ष और हौसले की कहानी है। उनकी जिंदगी की शुरुआत ही एक ऐसे दर्द से हुई, जिसे शब्दों में बयां करना आसान नहीं। महज तीन साल की उम्र में उन्होंने अपनी मां को खो दिया। उस उम्र में जब बच्चे दुनिया को समझना शुरू करते हैं, अनिकेत के

हिस्से में एक गहरा खालीपन आ गया। घर में हालात बदल गए। पिता ने दूसरी शादी कर ली, लेकिन अनिकेत के जीवन में सबसे बड़ा सवाल था, अब उनका सहारा कौन बनेगा?

तभी उनकी दादी और चाचा उनका सहारा बने। इन दोनों ने अनिकेत को एक स्टार बनाने के लिए सबकुछ त्याग दिया। उन्होंने खुद दर्दभरी जिंदगी काटी, लेकिन अनिकेत के सफलता के रास्ते में कोई कठिनाई नहीं आने दी। अब अनिकेत आईपीएल में खूब चमक रहे हैं, लेकिन उनका सफर और उनकी कहानी भावुक कर देने वाली है। आइए जानते हैं...

**अनिकेत वर्मा का बचपन**

तीन साल की उम्र में मां को खो देने के बाद अनिकेत के मन में उनकी कमी कभी पूरी नहीं हो सकी। वह अक्सर चुप रहते, अपने ही ख्यालों में खोए रहते थे। यहीं से कहानी में एंट्री होती है उनके अंकल अमित वर्मा की। खुद किशोर उम्र में थे, लेकिन जिम्मेदारी का बोझ अचानक कंधों पर आ गया। उन्होंने एक बड़ा फैसला लिया कि अनिकेत को झांसी से भोपाल ले जाएंगे। उन्होंने तय किया कि अनिकेत को एक बेहतर माहौल देना होगा।

जापान में फार्मूला वन रेस में मर्सिडीज के चालक एंड्रिया कीमी जापान ग्रां प्री जीतने के बाद ट्रॉफी के साथ जश्न मनाते हुए।

आरोपों को किया खारिज; जानें क्या कहा

# पीएसएल में गेंद से छेड़खानी को लेकर घिरे फखर-अफरीदी और रजा

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) एक बार फिर विवादों में घिर गई है। लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स के बीच खेले गए मुकाबले में बॉल टेम्परिंग का आरोप सामने आया। इस मामले में फखर जमां पर अंगुली उठी, जबकि शाहीन शाह अफरीदी और हारिस रऊपाकिस्तान के दिग्गज बल्लेबाज फखर जमां, तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी और जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा ने लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स के बीच पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के मैच के दौरान गेंद से छेड़खानी के आरोपों को खारिज किया है। फखर को मैच रेफरी रोशन महानामा ने पीएसएल की खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए आचार संहिता की धारा 2.14 के तहत लेवल तीन के अपराध का दोषी पाया था।

अफरीदी ने सोमवार को कहा कि उन्हें गेंद की हालत बदले जाने के बारे में कुछ भी पता नहीं था। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि गेंद की हालत बदली थी या नहीं। लेकिन अंपायरों का फैसला देखकर निराशा हुई।' इसी तरह रजा ने भी गेंद के साथ छेड़छाड़ किए जाने के बारे में किसी भी जानकारी से इनकार किया। उन पर शनिवार को टीम होटल में अपने रिश्तेदारों को कमरे में लाकर पीएसएल के सुरक्षा नियमों को तोड़ने के लिए पहले से ही कार्रवाई चल रही है। उन्होंने मैच के बाद प्रेस काफ्रेंस मे कहा, मुझे नहीं पता कि गेंद के साथ छेड़छाड़ की गई थी या किसने की थी। मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

### कप्तान अफरीदी और अंपायर्स के बीच बहस

अंपायर के इस फैसले पर लाहौर के कप्तान शाहीन अफरीदी मैदान पर भड़क गए। उनकी अंपायरों के साथ बहस भी हुई। मैच के बाद प्रेजेंटेशन सेरेमनी में शाहीन ने कहा कि उन्हें अब तक समझ नहीं आया है कि पेनल्टी रन क्यों दिए गए। उन्होंने कहा, हम देखेंगे कि अंपायर अपनी रिपोर्ट में क्या कहते हैं, फिलहाल स्थिति स्पष्ट नहीं है।

### क्या है पूरा मामला?

जमां को पीएसएल के अनुच्छेद 41.3 का उल्लंघन करते हुए पाया गया। यह अनुच्छेद गेंद की स्थिति को बदलने वाली किसी भी हरकत पर रोक लगाता है। श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर के सामने पेश होकर जमां ने अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार किया। यह आरोप कराची किंग्स की पारी के आखिरी ओवर से पहले का है जब उन्हें जीत के लिए 14 रन की जरूरत थी। फखर को हारिस रऊफ और लाहौर कलंदर्स के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी से बात करते देखा गया। इसके बाद अंपायर फैसल अफरीदी ने गेंद मांगी और उसे देखने के बाद पाया कि इससे छेड़छाड़ की गई है।

### सुनवाई के बाद फैसला सुनाएंगे मैच रेफरी

मैच रेफरी अगले 48 घंटे में फिर सुनवाई के बाद फैसला सुनाएंगे। अंपायर ने गेंद से छेड़छाड़ के लिए लाहौर कलंदर्स पर पांच रन का जुर्माना लगाया जिससे कराची को आखिरी ओवर में नौ रन ही चाहिए थे जो उन्होने बना लिए। अगर मैच रेफरी इस बात की पुष्टि कर देते हैं कि गेंद के साथ छेड़छाड़ की गई थी तो फखर और शायद लाहौर कलंदर्स की पूरी टीम को गंभीर सजा का सामना करना पड़ सकता है।

# छत्तीसगढ़ को नक्सल मुक्त बनाने की दिशा में ऐतिहासिक और निर्णायक पहल : राजेन्द्र शर्मा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के विरुद्ध चल रही निर्णायक लड़ाई को नई ऊर्जा, स्पष्ट दिशा और अभूतपूर्व सफलता दिलाने के लिए देश के माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी , केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह , प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं गृह मंत्री विजय शर्मा का हृदय से आभार एवं अभिनंदन व्यक्त करता हूँ। यह बात रायपुर शहर जिला भाजपा प्रभारी एवं पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा बेमेतरा राजेन्द्र शर्मा ने कही। उन्होंने कहा कि आज छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खिलाफ जो सशक्त और निर्णायक माहौल बना है, वह इन सभी नेताओं के मजबूत नेतृत्व, दृढ़ इच्छाशक्ति और स्पष्ट नीति का प्रत्यक्ष परिणाम है। शर्मा ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की सक्रियता लगातार बढ़ी है। आधुनिक तकनीक, खुफिया तंत्र की मजबूती, बेहतर रणनीति और त्वरित कार्रवाई के चलते नक्सलियों के नेटवर्क पर प्रभावी प्रहार हो रहा है। इससे नक्सली गतिविधियों में लगातार कमी दर्ज की जा रही है और कई क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था पहले से कहीं अधिक सुदृढ़ हुई है।उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने केवल सुरक्षा के माध्यम से ही नहीं, बल्कि विकास को केंद्र में रखकर इस समस्या का स्थायी समाधान खोजने का सफल प्रयास किया है। ÷विकास ही विश्वास का आधार है÷ की सोच के साथ सुदूर वनांचल क्षेत्रों में सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है, स्कूलों और आश्रमों को सुदृढ़ किया जा रहा है, स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है तथा युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। राजेन्द्र शर्मा ने कहा कि पहले जिन क्षेत्रों में भय, अशांति और अविकास का वातावरण था, आज वहां तेजी से बदलाव दिखाई दे रहा है। गांव-गांव में विकास कार्यों की पहुंच बढ़ी है, शासन की योजनाओं का लाभ सीधे आम जनता तक पहुंच रहा है और स्थानीय लोगों में विश्वास एवं सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का भी प्रतीक है। अब आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों के लोग मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं, लोकतंत्र में उनकी भागीदारी बढ़ रही है और वे विकास की प्रक्रिया के सक्रिय सहभागी बन रहे हैं।राजेन्द्र शर्मा ने यह भी उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं—जैसे आवास, शौचालय, उज्ज्वला, जल जीवन मिशन, आयुष्मान भारत आदि—नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में तेजी से लागू की जा रही हैं, जिससे लोगों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। यह विकास ही नक्सलवाद के विरुद्ध सबसे प्रभावी हथियार सिद्ध हो रहा है।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी के मार्गदर्शन में नक्सल उन्मूलन के लिए जो ठोस रणनीति बनाई गई है, वह जमीन पर प्रभावी रूप से लागू हो रही है। वहीं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है, जिससे आम जनता को सीधा लाभ मिल रहा है। गृह मंत्री विजय शर्मा की सक्रियता और प्रतिबद्धता भी इस दिशा में अत्यंत सराहनीय रही है।राजेन्द्र शर्मा ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि जिस प्रकार केंद्र और राज्य सरकार मिलकर समर्पित भाव से कार्य कर रही हैं, उससे यह स्पष्ट है कि छत्तीसगढ़ बहुत जल्द पूर्णतः नक्सल मुक्त होगा। आने वाले समय में प्रदेश शांति, सुरक्षा, विकास और समृद्धि के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। उन्होंने प्रदेशवासियों से भी आह्वान किया कि वे सरकार के प्रयासों में सहयोग करें, विकास की इस यात्रा में सहभागी बनें और एक सुरक्षित, समृद्ध एवं सशक्त छत्तीसगढ़ के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं।

# राम नवमी में शोभायात्रा में डांस को लेकर हुआ विवाद, लड़कियों से छेड़छाड़

### बिच बचाओं करने आये युवक पर धारदार हथियार से हमला पुलिस कर रही आरोपियों की तलाश

रायगढ़ /मूक पत्रिका

सर्व समाज के द्वारा 27/ 3/26 को श्री रामनवमी पर्व में शोभायात्रा विजयपुर चौक से निकाला गया जिसमें मै मुश्कान गुप्ता व कुछ सहेलियों के साथ मिलकर शोभा यात्रा में बोइरदादर चौक से सम्मिलित हुए शोभा यात्रा धीरे-धीरे रात्रि करीबन 10.30 बजे गौरी शंकर मंदिर गली के इलाहाबाद बैंक के पास पहुंचे बगल में ही कुछ लड़कियां व लड़के नाच रहे थे इस बीच में मेरी सहेली श्रेया यादव के बगल में नाच रहे लड़कियां व लड़के नाचते नाचते धक्का मुक्की कर छेड़छाड़ करने लगे तभी श्रेया यादव के द्वारा धक्का मुक्की न करने के लिए मना किया गया तो इसी बीच रागनी महंत के द्वारा मुझे गंदी गंदी गालियां देते हुए बाल को पकड़ कर खींचने लगे मुस्कान गुप्ता बिच बचाव करने आई तो रागिनी महंत, पिंटू देवांगन और उसके साथी मुझे जान से मारने की धमकी देते हुए मेरा बाल खींचने लगे और हाथ मुक्के से मुझे मारपीट करने लगे घटना को देखते हुए मेरा भाई अनिकेत गुप्ता बीच बचाव करने आया तो उसके साथ शिव पटनायक नामक युवक किसी धारदार हथियार से दाहिने कान के ऊपर और सिर के पीछे मार दिया जिसे चोट लगकर खून निकलने लगा जिससे मारपीट की घटना को देखकर अनिकेत गुप्ता के दोस्त लकी साहू व उत्तम मखीजा के द्वारा बीच बचाव किया गया इसके बाद अनिकेत गुप्ता का काफी खून बह चुका था व अनिकेत गुप्ता के सिर पर दो जगह तीन तीन टाके लग गए मुस्कान गुप्ता के साथ रागिनी महंत, पिंटू देवांगन, शिव पटनायक व अन्य साथियों के द्वारा मेरे साथ मारपीट की गई मारपीट करने से मेरे पीठ बाल व श्रेया यादव के बाल व गर्दन के पास चोट लगी मेरे द्वारा घटना की जानकारी देते हुए सिटी कोतवाली मे प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराया गया पुलिस मामले को संज्ञान मे लेकर आरोपियों की तलाश कर रही है

**बाकी खबर अगले अंक मे......**

# खिलोराखुर्द में अग्निकांड से प्रभावित खेतों का विधायक ईश्वर साहू ने किया दौरा, त्वरित मुआवजे का भरोसा

बेमेतरा/धमधा/मूक पत्रिका

ग्राम खिलोराखुर्द में बीते शनिवार को हुई भीषण आगजनी की घटना के बाद क्षेत्रीय विधायक ईश्वर साहू ने सोमवार को प्रशासनिक अमले के साथ प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने आग से प्रभावित किसानों के खेतों का निरीक्षण कर नुकसान का जायजा लिया और पीड़ित परिवारों को हर संभव आर्थिक सहायता दिलाने का आश्वासन दिया।जानकारी के अनुसार, शनिवार को अचानक लगी आग ने गांव के कई किसानों की पकी हुई गेहूं की फसल, पशु आहार (पैरावट) तथा मवेशियों को गंभीर क्षति पहुंचाई। घटना के बाद क्षेत्र में चिंता का माहौल बना हुआ है। विधायक ने मौके पर पहुंचकर प्रभावित किसानों से मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें ढांढस बंधाया।निरीक्षण के दौरान विधायक ईश्वर साहू ने उपस्थित नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक एवं हल्का पटवारी को तत्काल क्षति का सटीक आकलन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अन्नदाता का नुकसान अत्यंत पीड़ादायक है और राजस्व विभाग शीघ्र पंचनामा तैयार कर नियमानुसार किसानों को त्वरित मुआवजा दिलाए। इस अवसर पर धमधा मंडल अध्यक्ष लोकेन्द्र ब्रह्मभट्ट ने भी प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि राहत कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दौरे के दौरान विधायक के साथ नायब तहसीलदार, राजस्व विभाग की टीम, मंडल अध्यक्ष लोकेन्द्र ब्रह्मभट्ट, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष रोहित राजपूत, महामंत्री बनऊ वर्मा, सूरज देशमुख, नीलाम्बर साहू, अरविंद पटेल, कृष्णा पटेल, संजय कश्यप, राजेन्द्र पटेल, धर्मपाल वर्मा, रामगोपाल पटेल सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित रहे। विधायक ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि संकट की इस घड़ी में सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ किसानों के साथ खड़ी है और उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

# धोखे से जमीन बेचने वाले भू-माफिया पर कब होगी कार्रवाई

### तहसील न्यायालय से एक साल पहले ही हो चुका है आदेश

## कोटवारी जमीन पर 23 लोगों को बेदखली का नोटिस

रायगढ़ /मूक पत्रिका

भू-माफिया ने बांजीनपाली की कोटवारी जमीन को निजी प्रॉपर्टी की तरह इस्तेमाल किया। बड़े आराम से छोटे टुकड़ों में जमीन को बेच दिया। लोगों ने दो कमरे का मकान भी बना लिया और बाड़ी के लिए भी जमीन घेर ली। इस जमीन की जांच तहसीलदार ने करवाई थी। पटवारी प्रतिवेदन में 23 लोगों के अवैध कब्जे पाए गए। 10 फरवरी 2025 को बेदखली का नोटिस भी जारी हो चुका है।रायगढ़ में सबसे ज्यादा तेजी से जमीनों का अवैध कारोबार ही पनपा है। निजी जमीनों पर अवैध प्लॉटिंग तो सामान्य सी बात है। सरकारी जमीनों और सेवाभूमि को भी भूमाफिया ने बेच दिया। सहदेवपाली, छातामुड़ा, गढ़उमरिया, सांगीतराई, अमलीभौना, अतरमुड़ा, कौहाकुंडा, बोईरदादर, संबलपुरी सभी जगहों पर सरकारी जमीनें बेची जा चुकी हैं। कहीं-कहीं नक्शे में हेराफेरी करके जमीन पर कब्जा कर लिया गया। संस्कार स्कूल पुलिया के आगे रोड के दोनों तरफ की जमीनों पर अतिक्रमण हो चुका है। दाहिने ओर की जमीन बांजीनपाली गांव में आती है। यहां करीब 11 एकड़ कोटवारी जमीन है। इसमें से खसरा नंबर 220 और 222 पर करीब 45 मकान बन चुके हैं। कुछ लोगों ने मकान बनाकर किराए पर भी दे दिया है। कोटवार को दी गई जमीन बेच दी गई। खसरा नंबर 204, 220, 221, 222, 226/2, 229, 231, 234/4, 235, 85, 96, 99 कुल रकबा 4.182 हे. है। यह पूरी जमीन बांजीनपाली की ग्राम नौकर सेवा भूमि है। इस मामले में तहसीलदार रायगढ़ ने प्रकरण दर्ज कर सुनवाई की थी। 2024 में प्रस्तुत पटवारी प्रतिवेदन में बताया गया कि 23 लोगों ने अतिक्रमण किया है। 10 फरवरी 2025 को सभी को बेदखली का नोटिस भी जारी किया जा चुका है।

### इनको मिले हैं नोटिस

तहसील न्यायालय से पारित आदेश में खुशी महंत, शिव सतनामी, लक्ष्मण ओगरे, सीताबाई कहरा, श्रीमती बंजारे, मुरली साहू, अंजली पति शनि, ननकी दास महंत, सारथी, प्रियंका कोयरी, कमल पटेल, दिनेश, रितराम साहू, संतोषी पाण्डेय, सुलोचना कुर्रे, तुलसीबाई, भोला व रमेश निषाद, सावित्री यादव, नजमा शेख, रितु झा, पूनम ओगरे, सुनीता यादव और गणेश को बेदखली का नोटिस दिया गया है। इस पर अमल नहीं किया जा सका है।

### भू-माफिया पर कार्रवाई क्यों नहीं

सरकारी जमीन पर अतिक्रमण के मामलों में राजस्व विभाग की हालत लकीर पीटने के जैसी हो गई है। जब तक अतिक्रमण होता रहता है, कोई कुछ नहीं करता। जब पूरा कब्जा हो जाता है तो जांच की जाती है। इस बीच भूमाफिया बड़े आराम से सरकारी जमीनें बेचकर मोटी कमाई करके नौ दो ग्यारह हो जाता है। बांजीनपाली मामले में भूमाफिया पर कार्रवाई जरूरी है

# जिले मे नहीं रुक रही है पीडीएस चावल की कालाबजारी

रायगढ़ /मूक पत्रिका

रायगढ़ क्षेत्र में पीडीएस चावल की कालाबाजारी लंबे समय से जारी है, लेकिन खाद्य विभाग की कार्रवाई अब तक प्रभावी नहीं रही है। शासन की योजना के तहत गरीबों को सस्ते दरों पर चावल उपलब्ध कराना है, लेकिन संगठित गिरोह बीपीएल और एपीएल कार्डधारकों के नाम पर मिलने वाले चावल को बाजार में ऊंचे दामों पर बेचकर लाभ कमा रहे हैं।मामला बोइरदादर का है जहाँ माधवलाल निराला जो की पीडीएस चावल की खरीदी कर के ऑटो के माध्यम से बेधड़क खरीदी करते आये दिन देखा जा रहा है पीडीएस के चावल की कालाबाजारी धड़ल्ले से हो रही है, जिस पर नियंत्रण करने को लेकर प्रशासन लगातार फेल हो रही है। जानकारी के मुताबिक बताया जा रहा है कि रोजाना कई ऑटो की हेराफेरी की जा रही है। जागरूक नागरिकों के द्वारा खाद्य निरीक्षक को दूरभाष के माध्यम से जानकारी दी गई खाद्य निरीक्षक के द्वारा मामले को संज्ञान में लेकर कार्यवाही करने का आश्वासन दिया गया

# मिशन-2026 को बड़ी सफलता : 25 माओवादी कैडरों ने किया आत्मसमर्पण

## 14 करोड़ से ज्यादा की नकदी- सोना और 93 हथियार बरामद

बीजापुर/मूक पत्रिका

**आशीष पदमवार।** बस्तर में नक्सल विरोधी अभियान को मंगलवार को एक बड़ी सफलता मिली। बीजापुर जिले में ÷पूना मारगेम ङ्क पुनर्वास से पुनर्जीवन÷ अभियान के तहत दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी (छ्यर्स्ष्ट) से जुड़े 25 माओवादी कैडर सामने आए और हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौट गए। इनमें 12 महिला नक्सली भी शामिल हैं। सभी पर मिलाकर 1.47 करोड़ रुपए का इनाम घोषित था।इस सामूहिक सरेंडर के साथ सुरक्षा बलों को बड़ी आर्थिक और हथियारों की रिकवरी भी हाथ लगी है। कुल 14.06 करोड़ रुपए की बरामदगी में 2.90 करोड़ रुपए नकद और करीब 7.20 किलो सोना शामिल है, जिसकी कीमत करीब 11.16 करोड़ रुपए आंकी गई है। इसके अलावा मौके से ,य्च-47, स्रु्क इंसास, एलएमजी समेत कुल 93 घातक हथियार जब्त किए गए हैं। इसे बस्तर में अब तक की सबसे बड़ी रिकवरी में से एक माना जा रहा है।पुलिस अधिकारियों के मुताबिक सरेंडर करने वाले माओवादियों में संगठन के अलग-अलग स्तर के सदस्य शामिल हैं। इनमें 2 ष्ट4क्क्ष्ट,1 ष्ठङ्कष्टरू, 7 बटालियन या कंपनी सदस्य, 4 क्काष्टरू 6,ष्टरू और 5 सामान्य पार्टी सदस्य शामिल हैं। कई कैडर लंबे समय से सक्रिय थे और विभिन्न बड़ी घटनाओं में शामिल रहे हैं।

### वरिष्ठ कैडरों ने भी छोड़ा संगठन

इस बार सरेंडर करने वालों में कुछ बड़े और अनुभवी नाम भी शामिल हैं। इनमें मंगल कोरसा उर्फ मोटू, आकाश उर्फ फागु उईका, शंकर मुचाकी और पाले कुरसम जैसे कैडर शामिल हैं। ये सभी वर्षों से संगठन में सक्रिय थे और कई हमलों और मुठभेड़ों में शामिल रहे। अब इन्होंने संगठन की राह छोड़कर सामान्य जीवन अपनाने का फैसला किया है।

### दो साल में 1003 नक्सली लौटे मुख्यधारा में

बीजापुर जिले में पिछले दो सालों में सरेंडर का आंकड़ा लगातार बढ़ा है। 1 जनवरी 2024 से 31 मार्च 2026 तक कुल 1003 माओवादी कैडर मुख्यधारा में लौट चुके हैं। इससे पहले 5.37 करोड़ रुपए की बरामदगी हुई थी, जबकि ताजा कार्रवाई के बाद कुल बरामदगी बढ़कर 19.43 करोड़ रुपए तक पहुंच गई है। इसमें 6.63 करोड़ नकद और 8.20 किलो सोना शामिल है।

### अधिकारियों की मौजूदगी में हुआ कार्यक्रम

सरेंडर कार्यक्रम पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों की मौजूदगी में आयोजित किया गया। इस दौरान बस्तर रेंज के आईजी सुंदरराज पी., डीआईजी सीआरपीएफ बी.एस. नेगी, एसपी डॉ. जितेंद्र कुमार यादव समेत कई अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने सरेंडर करने वाले कैडरों से बातचीत भी की और उन्हें मुख्यधारा में लौटने के लिए प्रोत्साहित किया।

### सुरक्षा बलों की रणनीति और लगातार दबाव

पुलिस का कहना है कि पिछले कुछ समय से सुरक्षा बलों ने इलाके में लगातार ऑपरेशन चलाए हैं। इसके साथ ही गांवों में संपर्क बढ़ाकर लोगों के बीच विश्वास बनाने की कोशिश की गई। इसी का असर है कि अब माओवादी संगठन से जुड़े लोग धीरे-धीरे बाहर आ रहे हैं। इस पूरी प्रक्रिया में डीआरजी, जिला पुलिस बल, एसटीएफ, कोबरा और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की अहम भूमिका रही है। लगातार दबाव और संवाद, दोनों साथ चलने से यह परिणाम सामने आया है।

### सरकार देगी मदद, सामान्य जीवन की राह

सरेंडर करने वाले माओवादियों को सरकार की पुनर्वास नीति के तहत आर्थिक सहायता, कौशल प्रशिक्षण, आवास, शिक्षा और रोजगार के अवसर दिए जाएंगे। प्रशासन का कहना है कि इन सभी को समाज में सम्मानजनक तरीके से बसाने के लिए हर संभव मदद की जाएगी, ताकि वे दोबारा हिंसा की ओर न लौटें।

### बाकी नक्सलियों से भी अपील

सुरक्षा बलों ने जंगल में सक्रिय बाकी नक्सलियों से भी अपील की है कि वे हथियार छोड़कर सामने आएं। अधिकारियों का कहना है कि जो भी मुख्यधारा में लौटेगा, उसे सुरक्षा, सम्मान और बेहतर भविष्य का भरोसा दिया जाएगा।

## नागरिकों से अफवाहों से दूर रहने की अपील, जरूरत के अनुसार ही करें उपयोग

# जिले में गैस, पेट्रोल-डीजल पर्याप्त : जमाखोरी-कालाबाजारी पर सख्त कार्यवाही के निर्देश

सक्ती/मूक पत्रिका

जिले में गैस, पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता बनी हुई है। कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने स्पष्ट किया है कि किसी भी प्रकार की कमी की स्थिति नहीं है और आमजन को घबराने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि ईंधन की कालाबाजारी या जमाखोरी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करते हुए एफआईआर दर्ज की जाएगी। कलेक्टर ने नागरिकों से अपील की है कि वे ईंधन का उपयोग जिम्मेदारी और बचत के साथ करें तथा अनावश्यक रूप से स्टॉक न करें। साथ ही वैकल्पिक साधनों का भी उपयोग करने की सलाह दी गई है, ताकि सभी उपभोक्ताओं को समय पर सुविधा मिल सके। प्रशासन ने यह भी बताया कि एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति पूर्व की तरह सुचारू रूप से जारी है। उज्ज्वला योजना के अंतर्गत जुड़े उपभोक्ताओं के संदर्भ में प्रशासन ने बताया कि कुछ स्थानों पर अचानक बढ़ी मांग के कारण वितरण व्यवस्था प्रभावित हुई है। ऐसे में पारदर्शी और संतुलित वितरण सुनिश्चित करने के लिए सभी एजेंसियों को निर्देशित किया गया है। संभावित जमाखोरी और कालाबाजारी पर कड़ी नजर रखी जा रही है। उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए टोल फ्री नंबर 1800-233-3663, 1967 तथा राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम 0771-2511975 जारी किए गए हैं। सक्ती जिले में भी नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जहां मोबाइल नंबर 9993398904 पर संपर्क किया जा सकता है। सभी शिकायतों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए गए हैं।एलपीजी उपभोक्ताओं को निर्धारित अंतराल के अनुसार ही रिफिल बुकिंग कराने की सलाह दी गई है। नगरीय क्षेत्रों में 25 दिन तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन का अंतराल तय किया गया है, ताकि सभी तक समय पर गैस पहुंच सके। इसके अलावा, बिना लाइसेंस 100 किलोग्राम से अधिक गैस भंडारण पर प्रतिबंध लगाया गया है। प्रशासन ने आवश्यक सेवाओं जैसे अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों को प्राथमिकता देने के निर्देश भी जारी किए हैं। साथ ही गैस एजेंसियों और उचित मूल्य की दुकानों को पारदर्शी वितरण और सही जानकारी उपलब्ध कराने के लिए निर्देशित किया गया है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अफवाहों से दूर रहें और आवश्यक वस्तुओं का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करें, ताकि सभी को समान रूप से लाभ मिल सके।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।